संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

# दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 117 गुरूवार 27 फरवरी 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

# महाकुंभ पर ममता बनर्जी का विवादित बयान

» ममता के बयान पर मिथुन का हल्ला बोल...

» दीदी को बताया हिंदू विरोधी...

**कोलकाता,26 फरवरी 2025(ए)।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कुछ दिनों पहले महाकुंभ पर टिप्पणी करते हुए इसे मृत्यु कंभ बताया था। वहीं अब एक बार फिर टीएमसी नेता इसपर विवादित बयान दिया है। ममता बनर्जी ने कहा कि प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन 144 साल बाद नहीं हो रहा है. अब इसको लेकर कड़ी प्रतिक्रिया सामने आ रही है।

### 144 साल बाद नहीं हो रहा महाकुंभ...

ममता बर्नजी ने कहा,महाकुंभ का आयोजन हर 12 साल में होता है. जो लोग कह रहे हैं कि यह 144 सालों बाद हो रहा है तो यह बिल्कुल गलत है। जितना

### महाकुंभ को बोला था मृत्यु कुंभ बोला था ममता ने

भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने भी ममता बनर्जी के इस बयान की आलोचना की है। उन्होंने कहा, वह जो भी कह रही हैं गलत कह रही हैं। 70 करोड़ लोगों ने यहां आकर पवित्र स्नान किया है। क्या ये गलत है? लोगों ने सनातन धर्म की ताकत को देखा है। बता दें कि इससे पहले 29 जनवरी 2025 को महाकुंभ में स्नान के दौरान हुई भगदड़ में कई लोगों की मौत हुई थी। इस दौरान ममता बर्नजी ने महाकुंभ को लेकर सरकार की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए इसे मृत्यु कुंभ बताया था। उन्होंने कहा था, यह मृत्यु कुंभ है। मैं महाकुंभ और गंगा माता की इज्जत करती हूं, लेकिन यहां कोई प्लानिंग नहीं है. अबतक कितने लोग हैं?

मैं जानती हूं यह साल 2014 में भी हुआ था। कुंभ का 144 साल बाद आयोजन होने का दावा सच नहीं है.

### भाजपा ने साधा निशाना

ममता बनर्जी के इस बयान पर भाजपा ने उनपर निशाना साधा है. पार्टी ने टीएमसी नेता को लेकर कहा कि उनका ये सलेक्टिव बयान उनकी हिंदू विरोधी राजनीतिक एजेंडा को एक्सपोज करती है। इसको लेकर भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा, उनकी ओर से बार-बार दिए गए भ्रामक बयान राजनीति से प्रेरित लगते हैं। उन्होंने कहा, सनातन धर्म के पवित्र आयोजनों को कमजोर करने और उनका अपमान करने की कोशिश है, जो उनकी तुष्टिकरण वाली राजनीति से भी प्रभावित है।

## महत्वपूर्ण खबर

### सरकार बेचेगी इन 5 सरकारी बैंकों में 20 प्रतिशत तक हिस्सेदारी

**नई दिल्ली,26 फरवरी 2025(ए)।** केंद्र सरकार कम से कम 5 सरकारी बैंकों में से प्रत्येक में अपनी 20 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की योजना पर तेजी से काम कर रही है। बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार इस कदम के लिए एक विस्तृत खाका तैयार कर रही है। इसके लिए डिपार्टमेंट ऑफ इनवेस्टमेंट एंड पब्लिक एसेट मैनेजमेंट , फाइनेंशियल सर्विसेज डिपार्टमेंट और संबंधित बैंक शामिल हैं।

### महाकुंभ से लौटते समय सड़क हादसे का शिकार हुई राज्यसभा सांसद महुआ माजी

#### परिवार के चार लोग भी घायल

**रांची,26 फरवरी 2025(ए)।** झारखंड से जेएमएम की राज्यसभा सांसद महुआ माजी, उनके पुत्र सोमवित माजी, बहू कृति श्रीवास्तव माजी और ड्राइवर भूपेंद्र बास्के एक सड़क हादसे में घायल हो गए हैं। सांसद प्रयागराज में कुंभ स्नान के बाद अपनी स्कॉर्पियो से रांची लौट रही थीं। यह हादसा झारखंड के लातेहार सदर थाना क्षेत्र में हुआ। सभी घायलों को इलाज के लिए रांची के ऑर्किड हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया है। सभी की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

### शिवरात्रि पर झंडा लगाने को लेकर दो समुदायों में झड़प

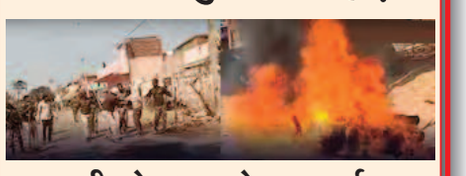

#### भीड़ ने पथराव के बाद कई वाहनों में लगाई आग

**हजारीबाग,26 फरवरी 2025(ए)।** झारखंड के हजारीबाग में शिवरात्रि पर झंडा और चोंगा लगाने को लेकर दो समुदायों में भीषण झड़प हो गई। इचाक थाना क्षेत्र के डुमरौन स्थित हिंदुस्तान चौक पर दो समुदायों के बीच जमकर पत्थरबाजी हुई है जिसके बाद भीड़ ने दो मोटरसाइकिल, एक गाड़ी, एक टेंपो और विभिन्न वाहनों में आग लगा दी। झड़प में कुछ लोगों को चोट पहुंची है। घायलों को हजारीबाग सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, छोटे से विवाद ने इतना बड़ा रूप ले लिया, जिसके कारण दोनों समुदाय में भीषण झड़प हो गई। हजारीबाग पुलिस अधीक्षक ने घटनास्थल पर काफी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की है। हालांकि पुलिस के पहुंचने के बाद स्थिति नियंत्रण में है।

## साल में दो बार होंगी CBSE बोर्ड 10 वीं की परीक्षा

### ड्राफ्ट को मिली मंजूरी, कब से लागू होगा नियम

**नई दिल्ली,26 फरवरी 2025(ए)।** राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत चल रहे सुधारों के क्रम में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने एक अहम मसौदे को मंजूरी प्रदान कर दी है। दरअसल, शिक्षा मंत्रालय की अध्यक्षता में हुई एक अहम बैठक में बोर्ड के उस ड्राफ्ट को मंजूरी मिल गई जिसमें 10वीं बोर्ड की परीक्षा साल में दो बार आयोजित कराने की बात रखी गई थी।

#### शिक्षा मंत्रालय ने दी मंजूरी

बोर्ड ने सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 को साल में दो बार आयोजित करने का प्रस्ताव जारी किया। शिक्षा मंत्रालय ने माननीय शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक की मेजबानी की जहां इस नीति परिवर्तन पर विस्तार से चर्चा की गई।प्रस्ताव का उद्देश्य छात्रों को बोर्ड परीक्षाओं में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का मौका देना है, जिससे छात्रों पर दबाव और तनाव कम हो। शिक्षा मंत्रालय ने बोर्ड के इस प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी। अब 2026 से 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं साल में दो बार होंगी।

## 7 विधायकों को दिलाई गई मंत्री पद की शपथ

**पटना,26 फरवरी 2025(ए)।** बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले नीतीश सरकार ने कैबिनेट विस्तार किया है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के कोटे से 7 नए मंत्रियों को शामिल किया गया है। पटना स्थित राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सभी मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा समेत अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

कैबिनेट विस्तार में बीजेपी ने जातीय संतुलन साधने की कोशिश की है। मंत्रियों के चयन में वैश्य, भूमिहार, कोइरी, तेली, कुर्मी और अन्य पिछड़ी जातियों को तवज्जो दी गई है। इसके अलावा, सीमांचल क्षेत्र से भी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया है।

#### शपथ लेने वाले मंत्री

**संजय सरावगी (दरभंगा) :** मैथिली भाषा में शपथ लेने वाले संजय सरावगी वैश्य समाज से आते हैं।

**सुनील कुमार (बिहारशरीफ, नालंदा) :** कोइरी समाज से आने वाले सुनील कुमार बीजेपी के विधायक हैं।

**जीवेश मिश्रा (जाले, दरभंगा) :** भूमिहार जाति से ताल्लुक रखने वाले जीवेश मिश्रा दूसरी बार मंत्री बने हैं। उन्होंने मैथिली में शपथ ली।

**राजू कुमार सिंह (साहेबगंज, मुजफ्फरपुर) :** कई पार्टियों में रह चुके राजू सिंह ने भी मंत्री पद की शपथ ली।

**मोतीलाल प्रसाद (रीगा, सीतामढ़ी) :** तेली समाज से आने वाले मोतीलाल प्रसाद दो बार विधायक रह चुके हैं।

**कृष्ण कुमार मंटू (अमनौर, सारण) :** कुर्मी समाज से आने वाले मंटू सिंह पटेल पूर्व में जेडीयू में रह चुके हैं।

**विजय मंडल (सिकटी, अररिया) :** सीमांचल में पिछड़ा वर्ग के प्रमुख नेता माने जाने वाले विजय मंडल पांच बार विधायक रह चुके हैं।

### विधवा महिला और उसके प्रेमी को उम्रकैद की सजा

**बरेली,26 फरवरी 2025(ए)।** बरेली की एक कोर्ट ने एक विधवा महिला और उसके प्रेमी को बेटी की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने दोनों पर 20-20 हजार

रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार यादव ने मंगलवार को मुकिश वानो (38) और कौसर को 19 वर्षीय उसमा की गला घोंटकर हत्या करने का दोषी करार दिया। यह घटना 23 अगस्त 2024 को हुई थी, जब उसमा ने अपनी मां और उसके प्रेमी के रिश्ते का विरोध किया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, उसमा इस संबंध से बेहद नाराज थी और कई बार इसका विरोध कर चुकी थी, जिससे मां-बेटी के बीच झगड़े भी हुए थे।

### बागेश्वर धाम पहुंच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वैवाहिक जोड़ों को दिया आशीर्वाद

#### ट्रक भरकर लाईं उपहार

**छतरपुर,26 फरवरी 2025(ए)।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित बागेश्वर धाम आई हुई हैं। खजुराहो एयरपोर्ट तक विमान से पहुंची महामहिम सेना के हेलीकॉप्टर से गढ़ा स्थित बागेश्वर धाम आईं। यहां उन्होंने बालाजी मंदिर के दर्शन किए। इसके बाद वे सामूहिक विवाह स्थल पहुंचीं।

समारोह स्थल पर पंडाल में बने मंच पर पहुंचने के बाद कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान से हुई। इसके बाद बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने राष्ट्रपति को बालाजी की फोटो भेंट की है। वहीं प्रेसिडेंट ने भी वैवाहिक जीवन में बंध रहे जोड़ों को सूट और साड़ियां भेंट कीं। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगूभाई पटेल और सीएम मोहन यादव भी मौजूद हैं।

#### ये हस्तियां भी पहुंच रही बालाजी के दरबार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ जहां एक तरफ मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बागेश्वर पहुंचे हैं तो दूसरी तरफ देश की अन्य दिग्गज हस्तियों में पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग, पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा, पूर्व क्रिकेटर आरपी सिंह, सिंगर सोनू निगम, डब्ल्यू-डब्ल्यू-ई रेस्लर (पहलवान) द ग्रेट खली, अभिनेता पुनित वशिष्ठ, धर्मगुरु (संत) रामभद्राचार्य महाराज मलूक पीठाधीश्वर राजेन्द्र दास महाराज भी बागेश्वर आए हैं।

## महाशिवरात्रि पर काशी में भव्य नजारा

» मंगला आरती के बाद निकली अखाड़ों की शोभायात्रा

**वाराणसी,26 फरवरी 2025 (ए)।** महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर काशी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का अपार जनसैलाब उमड़ पड़ा है। इस बार करीब 25 लाख भक्तों के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है, जो पिछले सभी रिकॉर्ड्स को पार कर रहा है। आधी रात से ही मंदिर के बाहर 3 किलोमीटर लंबी कतारें लगी हैं और बाबा विश्वनाथ लगातार 46 घंटे तक भक्तों को दर्शन देंगे।

इस ऐतिहासिक आयोजन को सुव्यवस्थित बनाने में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उच्चाधिकारी लगातार क्षेत्र का दौरा कर हालात का जायजा लेते दिखे। महाशिवरात्रि का यह उत्सव काशी में उस समय और भी खास हो गया, जब महाकुंभ का पलट प्रवाह यहां देखने को मिला। महाकुंभ और महाशिवरात्रि का यह संयोग वर्षों बाद बना है, जिसने श्रद्धालुओं की संख्या को अभूतपूर्व स्तर पर पहुंचा दिया है। सीएम योगी के निर्देश पर मंदिर न्यास और जिला प्रशासन ने इस अपार जनसमूह को संभालने के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। काशी विश्वनाथ धाम परिक्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए पुलिस, अर्धसैनिक बल, एटीएस कमांडो और एसटीएफ तैनात हैं। उच्चाधिकारी लगातार क्षेत्र का दौरा करके हालात का जायजा ले रहे हैं।

काशी में महाशिवरात्रि पर अखाड़ों की शोभायात्रा भी इस बार भव्यता के साथ निकली। जूना अखाड़े के नागा साधु त्रिशूल, तलवार और गदा लेकर हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए निकले। पेशवाई का स्वागत फूलों की वर्षा और माल्यार्पण के साथ किया गया। सीएम योगी के निर्देश पर काशी विश्वनाथ धाम के गेट नंबर चार पर मंडलायुक्त कौशलराज शर्मा और पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल, जिलाधिकारी एस राजलिंगम सहित आला अधिकारियों ने नागा साधुओं का अभिनंदन किया।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए वीआईपी और प्रोटोकॉल को निरस्त कर दिया गया है, ताकि हर भक्त को बाबा के दर्शन का समान अवसर मिले। मंगलवार रात 2:15 बजे मंगला आरती के बाद मंदिर के कपाट खोले गए और बाबा को दूल्हे की तरह सजाया गया। वहीं, काशी के गंगा घाटों पर महाशिवरात्रि के पर्व पर बड़ी संख्या में स्नानार्थियों ने पहुंचकर पुण्य की डुबकी लगाई। सीएम योगी के निर्देश पर वरिष्ठ अफसरों की देखरेख में किए गए इंतजाम न केवल श्रद्धालुओं के लिए सुखद अनुभव बना रहे हैं, बल्कि काशी की वैश्विक पहचान को भी मजबूत कर रहे हैं। भक्तों का कहना है कि योगी सरकार की सक्रियता से यह महाशिवरात्रि ऐतिहासिक और अविस्मरणीय बन गई है।

## सबका नाम सुसाइड नोट में लिखकर जाऊंगी

#### साध्वी हर्षा रिछारिया ने आत्महत्या की दी धमकी

**नई दिल्ली,26 फरवरी 2025(ए)।** महाकुंभ में सबसे सुंदर साध्वी हर्षा रिछारिया ने सुसाइड की धमकी दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर वीडियो डालकर कहा है कि कुछ धर्म विरोधी लोग ढ से मेरे वीडियो एडिट कर बदनाम कर रहे हैं। इस फेक वीडियो से मेरी बदनामी हो रही है। जो लोग ये वीडियो वायरल कर रहे है उनके नाम मेरे पास आ गए हैं।

#### कहा- सुसाइड नोट में नाम लिखकर जाऊंगी

हर्षा ने कहा मुझे महादेव ने जिस हद तक हिम्मत दी है। उस हद तक मैं लडूंगी। मैं सामना करूंगी, लेकिन जिस दिन मैं टूट गई, उस दिन सबका नाम लिखकर जान दूंगी। साध्वी हर्षा ने वीडियो में कहा कि अगर मैंने आत्महत्या कर ली तो उन सबका नाम सुसाइड नोट में नाम लिखकर जाऊंगी। बताऊंगी किसने मेरे साथ क्या किया है? हर्षा ने इंस्टाग्राम पर 2 मिनट 13 सेकेंड का वीडियो शेयर किया। कहा मैंने महाकुंभ से प्रतिज्ञा ली थी कि हिंदुत्व के लिए काम करूंगी। युवाओं को जागरूक करूंगी। धर्म संस्कृति को आगे बढ़ाने का काम करूंगी, लेकिन कुछ धर्म विरोधी लोग रात-दिन मुझे आगे बढने से रोक रहे हैं। मुझे बहुत सारे मैसेज और मेल मिल रहे हैं। हर्षा ने कहा पहले मेरे पुराने वीडियो को वायरल किया गया। मेरी ही पहचान के लोगों ने ऐसा कराया। वीडियो में दिखाया कि ये क्या थी, अब कैसे साध्वी हो सकती है। मैं बता दूं कि मैंने कभी ऐसा नहीं बोला कि मैं साध्वी हूं। मेरा एक प्रोफेशन था, जिसमें मैं काम करती थी।

# संपादकीय

## डोनाल्ड ट्रम्प की मित्रता की नई शुरुआत

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद वैश्विक स्तर पर नई शक्ति समीकरण बन रहे हैं। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में अमेरिका और रूस के राजनीतिकों के बीच हुई वार्ता दो पूर्व शत्रु देश के दरम्यान मित्रता की नई शुरु आत के संकेत हैं। 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद पहली बार अमेरिका और रूस वार्ता की मेज पर आमने-सामने आए हैं। रूस के विदेश मंत्री सग्रेई लावरोव और अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियों ने अपने-अपने देश का प्रतिनिधित्व किया।वार्ता मुख्यतः दो बिंदुओं पर केंद्रित थी। एक, रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्ति की दिशा में आगे कैसे बढ़ा जाए और दूसरे, अमेरिका और उसके बीच आर्थिक सहयोग के रास्ते तलाश जाएं। वार्ता में किसी तरह का प्रतिरोध पैदा नहीं हुआ और दोनों मुद्धों पर परस्पर सहमति के साथ आगे बढने का संकेत भी मिला। आने वाले दिनों में अमेरिका और रूस के शीर्ष नेतृत्व के बीच मुलाकात की संभावना जताई जा रही है। राष्ट्रपति ट्रंप का रूस के संबंध में उठाया गया यह कदम अमेरिका की पुरानी नीति से एकदम अलग है।ट्रंप के पूर्ववर्ती बाइडन प्रशासन का रणनीतिक लक्ष्य था कि रूस को सैनिक दृष्टि से कमजोर किया जाए। यह याद रखना चाहिए कि बाइडेन ने पुतिन को हत्यारा तानाशाह' कहा था और उसके खिलाफ यूक्रेन को भारी सैन्य और वित्तीय मदद पहुंचाई थी। अब स्थिति पूरी तरह बदल गई है। ट्रंप प्रशासन युद्ध के लिए यूक्रेन को दोषी ठहरा रहा है और उसे सुरक्षा गारंटी देने से भी इनकार कर दिया है। हैरत की बात यह है कि यूक्रेन को वार्ता की मेज पर बैठने की भी जगह नहीं दी गई है।वास्तव में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की खुलकर ट्रंप का विरोध करने की स्थिति में नहीं है। हालांकि वह पर्दे के पीछे अमेरिका के खिलाफ यूरोपीय देशों की लामबंदी का प्रयास कर रहे हैं। अमेरिका के दबाव में यदि युद्ध विराम होता है तो यूक्रेन का करीब एक तिहाई हिस्सा रूस के अधिकार में होगा। यह यूक्रेन के लिए घाटे का सौदा होगा। दरअसल,ट्रंप रूस के साथ अस्थाई रिश्ता बनाना चाहते हैं। सोवियत संघ के विघटन के बाद स्थिति पूरी तरह बदल गई है।ट्रंप रूस को प्रतिद्वंद्वी के रूप में नहीं देखते। लेकिन अमेरिकी राजनीतिक हेनरी किसिंजर का यह चर्चित कथन था कि अमेरिका के साथ दुश्मनी करना खतरनाक है, लेकिन दोस्ती करना जानलेवा है'। क्या पुतिन इस कथन को नजरअंदाज कर सकते हैं?

# शिक्षा में महत्वपूर्ण बदलाव है महिला अध्यापिकाओं की बढ़ती संख्या

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

**महिलाओं द्वारा संचालित कक्षाओं में समावेशी भागीदारी 20 प्रतिशत अधिक होती है। सामाजिक बाधाओं और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करके, महिला शिक्षकों की उपस्थिति लड़कियों के शैक्षिक अवसरों को बढ़ाती है। महिला शिक्षकों की संख्या में वृद्धि के कारण बिहार की कन्या उत्थान योजना में महिलाओं के नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। लिंग भूमिकाओं, बाल विवाह और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में बातचीत को सामान्य बनाकर, महिला शिक्षक समानता को बढ़ावा देती हैं। उड़ान योजना के अंतर्गत किशोरियों को महिला शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। महिला शिक्षकों द्वारा भावनात्मक समर्थन देने की संभावना अधिक होती है, जिससे विद्यार्थियों का कल्याण बेहतर होता है। अकादमिक महिलाओं को प्रायः मार्गदर्शन और मजबूत व्यावसायिक नेटवर्क का अभाव होता है, जो शोध के अवसरों और कैरियर में उन्नति के लिए आवश्यक है। कई महिलाएं घर के कामकाज की दोहरी जिम्मेदारी के कारण अपने करियर से ब्रेक ले लेती हैं, जिससे उनके करियर में आगे बढ़ने और गुणवत्तापूर्ण शोध करने की क्षमता में बाधा आती है। नीति आयोग के अनुसार, भारत में महिला सदस्य बच्चे को जन्म देने के बाद लम्बे समय तक अपने करियर से ब्रेक ले लेती हैं, जिससे उनके स्थायी आधार पर नियुक्त होने की संभावना कम हो जाती है...**

यूडीआईएसई+2023-24 रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय स्कूल शिक्षकों में अब 53.34 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो शिक्षा में उनकी बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। उच्च शिक्षा में केवल 43 प्रतिशत संकाय महिलाएं हैं, नेतृत्व की भूमिकाओं में उनका प्रतिनिधित्व और भी कम है। शैक्षणिक जगत में लैंगिक समानता अभी भी जड़ जमाये पूर्वाग्रहों, व्यावसायिक बाधाओं और संस्थागत कठिनाइयों के कारण बाधित है। भारत के शिक्षण कार्यबल में महिलाओं के प्रतिशत में वृद्धि शिक्षा की गुणवत्ता,समावेशिता और सामाजिक समानता में आमूलचूल परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती है। शिक्षणशास्त्र में लैंगिक पूर्वाग्रहों को चुनौती दी जाती है,समावेशी शिक्षा को बढ़ावा दिया जाता है, तथा महिला शिक्षकों द्वारा महिला विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि की जाती है। छात्रों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए, महिला शिक्षक कक्षा में अधिकाधिक भागीदारी और लिंग-संवेदनशील शिक्षण को प्रोत्साहित करती हैं। यूनेस्को की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं द्वारा संचालित कक्षाओं में समावेशी भागीदारी 20 प्रतिशत अधिक होती है। सामाजिक बाधाओं और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करके, महिला शिक्षकों की उपस्थिति लड़कियों के शैक्षिक अवसरों को बढ़ाती है। महिला शिक्षकों की संख्या में वृद्धि के कारण बिहार की कन्या उत्थान योजना में महिलाओं के नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। लिंग भूमिकाओं, बाल विवाह और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में बातचीत को सामान्य बनाकर, महिला शिक्षक समानता को बढ़ावा देती हैं। उड़ान योजना के अंतर्गत किशोरियों को महिला शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। महिला शिक्षकों द्वारा भावनात्मक समर्थन देने की संभावना अधिक होती है, जिससे विद्यार्थियों का कल्याण बेहतर होता है।

उच्च शिक्षा संकाय पदों में महत्वपूर्ण लैंगिक असमानताएं महिला संकाय सदस्यों के कम प्रतिनिधित्व के कारण होती हैं। उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण के अनुसार, शिक्षण पदों पर पुरुषों की संख्या अधिक होने के बावजूद, उच्च शिक्षा संकाय में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 43 प्रतिशत है। आईआईटी और एनआईटी में महिला संकाय का प्रतिनिधित्व अभी भी 20त्न से कम है, जो प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में लैंगिक असमानताओं को दर्शाता है। अकादमिक नेतृत्व में महिलाओं की भूमिका एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर स्तर तक सीमित है, जहां उनका प्रतिशत तेजी से गिरता है। सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में 25 प्रतिशत से भी कम पूर्ण प्रोफेसर महिलाएं हैं, जो निर्णयों को प्रभावित करने की उनकी क्षमता को सीमित करता है। भारत के शीर्ष 50 विश्वविद्यालयों में 10 प्रतिशत से भी कम कुलपति महिलाएं हैं। सामाजिक-सांस्कृतिक बाधाओं के कारण, केरल और तमिलनाडु जैसे दक्षिणी राज्यों में महिलाओं की भागीदारी अधिक है, जबकि ग्रामीण और उत्तर भारतीय विश्वविद्यालयों में यह कम है। केरल के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में आधे से अधिक प्राध्यापक महिलाएं हैं, जबकि बिहार और राजस्थान में यह प्रतिशत 30 प्रतिशत से भी कम है। नियुक्ति और पदोन्नति में अचेतन पूर्वाग्रहों के कारण महिलाओं के नेतृत्वकारी भूमिकाएं निभाने की संभावना कम होती है। अकादमिक महिलाओं को प्रायः मार्गदर्शन और मजबूत व्यावसायिक नेटवर्क का अभाव होता है, जो शोध के अवसरों और कैरियर में उन्नति के लिए आवश्यक है। कई महिलाएं घर के कामकाज की दोहरी जिम्मेदारी के कारण अपने करियर
में ब्रेक ले लेती हैं, जिसका असर उनकी उन्नति और शोध कार्य की संभावनाओं पर पड़ता है।

समान कैरियर उन्नति के अवसर सुनिश्चित करना, लिंग कोटा स्थापित करना, चयन समितियों की निष्पक्षता सुनिश्चित करना तथा स्पष्ट पदोन्नति मानकों को लागू करना, शैक्षणिक नियुक्ति समितियों में 40 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व की अनिवार्यता के द्वारा, जर्मनी का डीएफजी कार्यक्रम अधिक महिलाओं को उच्च शिक्षा में नामांकन के लिए प्रोत्साहित करता है। शिक्षाविदों में महिलाओं की मेंटरशिप और नेटवर्किंग अवसरों तक पहुंच बढ़ानाः महिला संकाय सदस्यों को वरिष्ठ शिक्षाविदों के साथ जोड़ने के लिए औपचारिक मेंटरशिप कार्यक्रम स्थापित करना, वित्तपोषण के अवसरों, अनुसंधान और नेतृत्व विकास पर सलाह देना। केंद्रित मार्गदर्शन और समर्थन नेटवर्क के मूल्य के प्रमाण के रूप में, अमेरिका का विज्ञान और इंजीनियरिंग में महिलाएं कार्यक्रम नेतृत्व भूमिकाओं में महिलाओं की संख्या बढ़ाने में सहायक रहा है। कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा देना, परिसर में बाल देखभाल सेवाएं प्रदान करना, सवेतन मातृत्व अवकाश बढ़ाना, तथा लचीले कार्यकाल पथ को लागू करना, महिला संकाय सदस्यों को मातृत्व के बाद एक वर्ष का कार्यकाल विस्तार प्रदान करके उनके शोध करियर को जारी रखने में मदद करता है। महिलाओं की प्रशासनिक और शैक्षणिक दृश्यता में सुधार लाने के लिए विशिष्ट वित्तपोषण उपलब्ध कराना तथा उनके लिए नेतृत्व विकास पाठ्यक्रम चलाना, भारत की महिला वैज्ञानिक योजना महिला शोधकर्ताओं को करियर ब्रेक के बाद वित्त पोषण प्रदान करके शिक्षा जगत में वापस लौटने में मदद करती है। उच्च शिक्षा संकाय में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 43 प्रतिशत है, जो कक्षा के बाहर उनके प्रभाव को सीमित करता है। आईआईटी और आईआईएम में महिला शिक्षकों का प्रतिशत 20 प्रतिशत से भी कम है।

यूजीसी का जेंडर एडवांसमेंट फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंस्टीट्यूशंस (जीएटीआई) कार्यक्रम महिला संकाय सदस्यों को नेतृत्वकारी पदों पर आसीन होने के लिए प्रोत्साहित करता है। समान वेतन के दिशा-निर्देश स्थापित करें, श्रम कानूनों को अधिक सख्ती से लागू करें तथा अनुबंध शिक्षकों को नियमित करें। निजी शिक्षा में समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976 का सशक्त प्रवर्तन आवश्यक है। परिसर में सुरक्षा प्रोटोकॉल, परिवहन विकल्प और शिकायत प्रक्रिया को बेहतर बनाएं। शैक्षणिक संस्थानों में महिला सुरक्षा उपायों की स्थापना को निर्भया फंड (2013) द्वारा वित्त पोषित किया गया है। लिंग-संतुलित शिक्षण स्टाफ प्रारंभिक शिक्षा में स्त्रीकरण को कम करेगा और देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों को सामान्य बनाएगा। प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा में, फिनलैंड और स्वीडन पुरुषों की भर्ती को आक्रामक रूप से प्रोत्साहित करते हैं। गुमनाम शिकायत निवारण प्रक्रियाएं स्थापित करें, सुनिश्चित करें कि आंतरिक शिकायत समितियां (आईसीसी) कार्यरत हों, तथा सभी विश्वविद्यालयों में कठोर उत्पीड़न-विरोधी नीतियां लागू करें। यूजीसी के 2023 निर्देश के अनुसार विश्वविद्यालयों में आईसीसी आवश्यक है; हालाँकि, अभी भी कार्यान्वयन में खामियाँ हैं, विशेष रूप से छोटे और ग्रामीण संस्थानों में। शिक्षा जगत में लैंगिक अंतर को कम करने के लिए मजबूत मार्गदर्शन कार्यक्रम, समावेशी नियुक्ति प्रथाएं, संस्थागत परिवर्तन और बहुआयामी रणनीति आवश्यक हैं। परिवार-अनुकूल कार्यस्थलों को बढ़ावा देना, पारदर्शी पदोन्नति की गारंटी देना, तथा भेदभाव-विरोधी कानूनों को मजबूत बनाना, उच्च शिक्षा में महिलाओं को सशक्त बनाने में सहायक हो सकता है। लिंग-संवेदनशील, योग्यता-आधारित नीतियों की ओर प्रतिमान बदलाव से प्रतिनिधित्व में सुधार होगा और भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

# ग्रामीण परिवेश में सकारात्मक परिवर्तन

इन दिनों ग्रामीण भारत में परिवर्तन और किसानों के बदलते जीवन विषयों पर प्रकाशित हो रही विभिन्न अध्ययन रिपोटरे में यह तथ्य रेखांकित हो रहा है कि भारत के ग्रामीण परिवेश में सकारात्मक परिवर्तन हो रहा है और इससे किसानों की आमदनी के साथ किसानों का जीवन स्तर भी बढ़ रहा है, लेकिन विकास की बहुआयामी चुनौतियां अभी बनी हुई हैं।हाल में प्रकाशित मैकिन्से ग्लोबल फॉर्मर्स इनसाइट सर्वे, 2024 में कहा गया है कि भारतीय किसान तेजी से डिजिटल पेमेंट को अपना रहे हैं। वर्ष 2024 भारत में 40 फीसद किसान द्वारा रु पयों का भुगतान डिजिटल माध्यम से किया गया है, वहीं 2022 में 11 फीसद किसान डिजिटल भुगतान का इस्तेमाल कर रहे थे। किसानों के बीच डिजिटल भुगतान का चलन बढ़ने का कारण सस्ता डाटा और यूपीआई सेवा को माना गया है। रिपोर्ट के अनुसार 2022 में देश में फसल बीमा का इस्तेमाल करने वाले महज 8 फीसद किसान थे, वे 2024 में बढ़ कर 37 फीसद हो गए। इसमें सबसे अधिक योगदान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का है। यह भी पाया गया है कि 11 फीसद किसान 2024 में जैविक उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे थे जबकि 2022 में 2 फीसद किसान ही जैविक उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे थे। इस रिपोर्ट का यह निष्कर्ष भी महत्त्वपूर्ण है कि भारतीय किसान औपचारिक ऋण की ओर बढ़ रहे हैं। 2024 में 36 फीसद किसानों ने बैंक से कर्ज लिया जो 2022 में केवल 9 फीसद था। वहीं, 26 फीसद किसानों ने सब्सिडी वाले सरकारी ऋण का उपयोग किया जबकि 2022 में यह आंकड़ा सिर्फ 1 फीसद था। रिपोर्ट ने यह भी बताया कि भारत के 53 फीसद किसान फसल चक्रीकरण जैसे टिकाऊ खेती के तरीकों को अपनाने के लिए सरकारी सब्सिडी पर निर्भर हैं। सरकार इस दिशा में कई तरह से सहायता प्रदान कर रही है जैसे कि लागत में छूट, कार्बन क्रेडिट से आय बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन आदि। यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि मार्च, 2024 तक भारत में 95.44 करोड़ इंटरनेट ग्राहक थे। इनमें से 39.83 करोड़ ग्रामीण इंटरनेट ग्राहक थे। इसी परिप्रेक्ष्य में हाल में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) रिसर्च द्वारा जारी रिपोर्ट भी महत्त्वपूर्ण है। इसमें कहा गया है कि मुख्य रूप से गरीबों को सीधे, लाभान्वित करने वाले सरकारी सहायता कार्यक्रमों के सकारात्मक प्रभावों और विकास के कारण गरीबी में कमी आई है। गरीबी में कमी शहरी इलाकों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में अधिक तेजी से हुई है। जहां 2011-12 में ग्रामीण गरीबी 25.7 फीसद और शहरी गरीबी 13.7 फीसद थी, वहीं 2023-24 में ग्रामीण गरीबी घट कर 4.86 फीसद और शहरी गरीबी घट कर 4.09 फीसद पर आ गई। इस रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 14 साल में आमदनी बढ़ने से जहां शहरों में हर माह प्रति व्यक्ति उपभोक्ता खर्च (एमपीसीई) 3.5 गुना हो गया, वहीं यह ग्रामीण इलाकों में करीब चार गुना हो गया है। 2009-10 से 2023-24 के बीच शहरी इलाकों में एमपीसीई 1984 रु पये से बढ़ कर 6996 रु पये और ग्रामीण इलाकों में यह खर्च 1054 रु पये से बढ़ कर 4122 रु पये हो गया। ऐसे में शहरों की तुलना में गांवों की ग्रोथ ज्यादा है।निस्संदेह ग्रामीण एवं कृषि विकास के विभिन्न अभियानों के कारण देश में ग्रामीण गरीबी में तेजी से कमी आ रही है। यह पिछले वर्ष 2024 में घट कर पांच फीसद से भी कम रह गई है। ग्रामीणों की आमदनी और क्रयशक्ति भी बढ़ी हैं। यह भी महत्त्वपूर्ण है कि डिजिटल इंडिया, शौचालय, स्वच्छ पेयजल और स्वच्छ ईंधन के लिए उज्ज्वला योजना, सभी घरों में बिजली के लिए सौभाग्य योजना जैसे अभियानों से भी ग्रामीण भारत में गरीबी में कमी आ रही है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत 80 करोड़ से अधिक गरीब वर्ग के लोगों को मुफ्त खाद्यान्न कार्यक्रम ने ग्रामीण भारत में भी गरीबी को कम करने में अहम भूमिका निभाई है। निश्चित ही ग्रामीण भारत में सकारात्मक परिवर्तन, कृषि व ग्रामीण विकास तथा किसानों की आमदनी बढ़ाने के मद्देनजर बजट 2025-26 आशा की एक और किरण लेकर आया है।

**-डा. जयंती लाल भंडारी-**

# कर्मठता के साथ बड़ी सफलता प्राप्त कीजिये

संजीव ठाकुर
रायपुर छत्तीसगढ़,

## अकर्मण्यता जीवन की उन्नती का बड़ा अवरोध

यह बात चाहे मनुष्य के जीवन की हो यह राष्ट्र के उत्थान से संदर्भित हो,जीवन में मनुष्य के संदर्भ में अकर्मण्यता एक बड़ी शारीरिक,मानसिक व्याधि और दशा है, यह जीवन को निरर्थक बनाती है। इसी तरह देश का शासन तंत्र यदि आक्रमण्य और निराशावादी हो तो देश की उन्नति में अवरोध और बढ़ाएं सदैव उत्पन्न होती रहती हैं। इस अवस्था को तत्काल त्यागना चाहिए,और अपने जीवन के संघर्ष के लिए तैयार रखना चाहिए। मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं उर्जा लगाकर हम उसे प्राप्त कर सके। कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता है। निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता है। जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है। बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं। यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैं। सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता,प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं। मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों, सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए। यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव

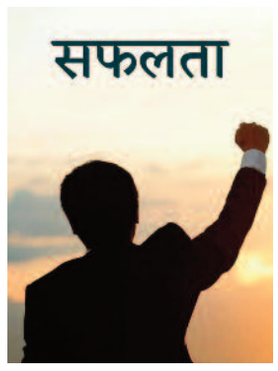


समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है। जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता है। यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है।

मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है। और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती है। भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही है। ऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम, मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम, खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था।परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है ।आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है। क्योंकि राष्ट्र तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की अत्यंत आवश्यकता होती है। अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट्र विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है। मूल्य विहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट्र चिरस्थाई तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक एवं प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलकर वैश्विक देशों से अपने संबंध निर्मल तथा सैद्धांतिक बनाकर रखता है। अन्यथा उस राष्ट्र को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता।

## कविता
## सपना तो सपना होता है...

घटती-घटना
उदय किशोर साह
जयपुर, बांका बिहार

सपना तो सपना होता है
सपना तो सपना ही है होता
ख्वाबों में हँसाता ख्वाबों में रूलाता
मत कर कोई इस ख्वाब पे यकीन
कुछ पल का होता है दृश्य व सीन
कभी बागों में सैर है। करवाता
सागर के सीने पे नाव पे ले घुमाता
कभी बादलों की सैर करवाता
जमीन पे पल में है गिरा जाता
प्रेमिका की ये दीदार अक्सर कराता
वियोग में दुसरे पल ही तड़पाता
कर देता ख्वाब में मन को ये पागल
दिल रोता जार जार हो कर घायल
बात बात में पड़ोसी से झगड़ा कराता
आँख दिखलाने पे मच्छर से पिटवाता
क्षण में दुश्मनी तो झण में प्यार
डराता है पल पल दिखा कर तलवार
इसकी रहस्य को कोई क्या कब जाना
सच्चाई से दूर है हर कोई पहचाना
मत करना कोई इनपे अब। विश्वास
तोड़ दे इनसे जो भी लगा है। आस
ना सच्चाई ना कोई है की हकीकत
इसकी कभी ना होती है कोई कीमत
चलचित्र की तरह होता है ये ख्वाब
जाग गये तो उड़ गई सब अपने आप

# व्हेल की समुचित देखभाल और संरक्षण नितांत आवश्यक

व्हेल विश्व का सबसे विशालकाय जलीय स्तनधारी प्राणी है, जिसके बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से अभियान चलाए जाते हैं। नीली गहराइयों की प्रहरी व्हेल की समुचित देखभाल और संरक्षण करने का संकल्प लेने के उद्देश्य से हर साल विश्व व्हेल दिवस' भी मनाया जाता है, जो 16 फरवरी को मनाया गया। 17वीं सदी में कुछ बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा व्हेल का मांस, तेल व परफ्यूम बनाने के लिए बड़े पैमाने पर इसका शिकार किया जाने लगा। औद्योगिक पैमाने पर शिकार से इनकी कई प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं।अंतरराष्ट्रीय व्हेलिंग आयोग' के अनुमान के अनुसार दुनिया में डेढ़ मिलियन व्हेल बची हैं। 1986 में अंतरराष्ट्रीय व्हेलिंग आयोग ने व्हेल के व्यावसायिक शिकार पर प्रतिबंध लगाया था किंतु फिर भी व्हेल का शिकार हो रहा है। सदियों से मानव सभ्यता के साथ जुड़ी व्हेल का समुद्र में 5 करोड़ वर्षों से अस्तित्व माना जाता है। स्पर्म व्हेल, किलर व्हेल, पायलट व्हेल, बेलुगा व्हेल आदि कई प्रजातियां हैं, जिनमें धरती का सबसे विशाल और

वजनदार प्राणी ब्ल्यू व्हेल को माना जाता है। 1909 में दक्षिण अटलांटिक महासागर के दक्षिण जॉर्जिया के समुद्र तट पर मिली 110 फुट लंबी नीली व्हेल अब तक की सबसे विशालकाय व्हेल है। ब्ल्यू व्हेल का वजन 200 टन यानी 1.81 लाख किग्रा. होता है, जो 98 फुट चौड़ी होती है, और गर्मी के मौसम में चार करोड़ किल (छोटे जलीय जीव) खा जाती है। इसके हृदय का वजन 600 किग्रा. और मस्तिष्क 7 किग्रा. का होता है जबकि जीभ का वजन 3000 किग्रा. होता है। ब्ल्यू व्हेल के शरीर में सात हजार किग्रा. रक्त होता है, और जब यह जीव महासागरों में घूमता है, तो बड़े-बड़े जहाज भी इसे देख रास्ता बदल लेते हैं।व्हेल के व्यवहार को लेकर वैज्ञानिकों ने जो जानकारियां जुटाई हैं, उनके अनुसार यह जिंदादिल जीव है। जब इसके बच्चे का जन्म होता है तो नन्हे ब्ल्यू की लंबाई 20-25 फुट और वजन 2.7 टन होता है। बच्चा तेजी से बड़ा होता है, जिसका वजन प्रति दिन 90 किग्रा. तक बढ़ जाता है। 6 माह में ही बच्चा 40-50 फुट बड़ा हो जाता है। हालांकि विशालकाय होने के बावजूद व्हेल इंसानों के लिए खतरनाक नहीं होती।

**-योगेश कुमार गोयल-**

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

# महाशिवरात्रि पर हर-हर महादेव से गूंजे शिवालय

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

महाशिवरात्रि पर्व को लेकर संभाग मुख्यालय अंबिकापुर सहित जिले भर में सुबह से ही भक्ति और उल्लास का वातावरण बना हुआ था। बुधवार की सुबह से ही श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना के लिए मंदिरों में पहुंचना शुरू कर दिया था जो देर शाम तक चलता रहा। शहर के शिव मंदिरों में भोलेनाथ की पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। शिवालयों में श्रद्धालुओं ने जल,दुग्ध, शहद, घी, बेलपत्र,पुष्प से अभिषेक कर भक्तिभाव से भोलेनाथ की पूजा की। शहर के शंकरघाट स्थित शिव मंदिर में महाशिवरात्रि को लेकर मेले जैसा माहौल था, यहां सुबह से ही भक्तों की कतार लगनी शुरू हो गई थी। कतार में लगकर भोलेनाथ का पूजा अर्चना की। शहर के पुलिस लाइन स्थित शिव-गौरी मंदिर, स्टेडियम कांप्लेक्स से लगे निगम के शिव शक्ति मंदिर, शिव मंदिर बौरीपारा, नवापारा के महाकालेश्वर मंदिर, नामनाकला पावर हाउस शिव मंदिर, मायापुर, चांदनी चौक, गांधीनगर, फुंदुरडिहारी, जोड़ा पीपल, दरीपारा, केदारपुर सहित शहर के अधिकांश मोहल्लों में छोटे-बड़े शिवालयों में पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

### भगवान भोले की धूमधाम से निकली बारात

45 साल पुरानी परंपरा महाशिवरात्रि के मौके पर फिर से दोहराई गई जब प्रतापपुर रोड सहेली गली स्थित भगवान शिव की धूमधाम से बारात निकली। प्राचीन वाद्ययंत्रों के साथ अलग-अलग टोली बारात में नाचते-झूमते निकली। शाम को पुलिस लाइन स्थित गौरीमंदिर में भगवान शिव एवं पार्वती का विवाह संपन्न हुआ। महाशिवरात्रि पर शहर में यह आयोजन अपने आप में अनोखा होता है। शिवशंकर कीर्तन मंडली ने 45 साल पहले यह आयोजन शुरू किया और तब से इस दिन बाजे-गाजे के साथ शिव की बारात निकलती है। बुधवार को भगवान शिव की बारात निकली। वहां मौजूद महिलाओं ने मंगल गीत गाया। बाराती नाचते-झूमते शामिल हुए। बारात का जगह-जगह स्वागत किया गया। शाम को बारात पुलिस लाइन स्थित गौरी मंदिर पहुंची, जहां रात में विवाह संपन्न हुआ। गुरुवार को सहेली गली केदारपुर स्थित भगवान शिव मंदिर प्रांगण में आशीर्वाद समारोह के रूप में महा आरती पश्चात शाम 7 बजे से विशाल भंडारा का आयोजन भी किया गया है। इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में मण्डली के अध्यक्ष भालानाथ विश्वकर्मा, संजय कुमार मिश्रा, विनोद वर्मा, प्रमोद मिश्रा, संजू चौबे, राजगीर, हरगोविन्द, काशी, राजेन्द्र दुबे, रविन्द्र दुबे, बृजमोहन, पं. मुकेश तिवारी, मृत्युंजय, सिद्धार्थ, राहुल, अविनाश, बंटी व अन्य सदस्य एवं मोहल्लेवासी शामिल रहे।

### जगह-जगह किया गया स्वागत

महाशिवरात्रि के मौके पर प्रतापपुर रोड सहेली गली स्थित भगवान शिव की धूमधाम से बारात निकाली गई। इस दौरान काफी संख्या में महिला, पुरूष व बच्चे शामिल हुए। महिलाएं नाचते-गाते हुए शहर के विभिन्न सडक़ों से होते हुए पुलिस लाइन स्थित गौरीमंदिर पहुंचीं। भगवान शिव की प्रतिमा को रथ पर सवार किया गया था। इस दौरान शहर के विभिन्न संगठनों द्वारा जगह-जगह स्वागत भी किया गया।

### पूरे दिन चलता रहा भंडारा का कार्यक्रम

महाशिवरात्रि को लेकर पूजा समितियों व मंदिर समितियों द्वारा पूर्व से ही तैयारी शुरू कर दी गई थी। सभी स्थानों पर मंदिर समिति से जुड़े पदाधिकारी सदस्यों ने व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग प्रदान किया। महाशिवरात्रि के अवसर पर जगह-जगह भंडारे का भी आयोजन किया गया था, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। शिवालयों में भजन-कीर्तन तथा भोलेनाथ की भक्ति गीतों से माहौल उत्सवपूर्ण बना था। वहीं शंकरघाट में विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। इसमें काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। वहीं शहर के गांधी चौक, नमनाकला शंकर मंदिर समिति द्वारा भी भंडारे का आयोजन किया गया था।

## राजमिस्त्री के घर से नगदी समेत जेवरात पार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम कंठी में दिन दहाड़े चोरों ने 5 हजार नगदी समेत चोने-चांदी के जेवरात पार कर दिए। घटना 23 फरवरी की है। पति-पत्नी घर में ताला बंद कर काम करने गए थे। पीड़ित ने मामले की रिपोर्ट दरिमा थाना में दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार अनुज सिंह पिता सियाराम कंवर उम्र 27 वर्ष ग्राम कंठी कंवरपारा थाना दरिमा का रहने वाला है। वज राजमिस्त्री का काम करता है। 23 फरवरी की सुबह 9 बजे मजदूरी करने चला गया था। वहीं इसकी पत्नी खेत में काम करने गई थी। घर में केवल इसकी बहन देवमणी अकेली थी। अनुज की पत्नी खेत से काम कर घर वापस आई तो सामान बिखरा पडा था। और घर आलमारी खुला था। आलमारी को चेक करने पर पता चला की 5 हजार नगदी व सोने-चांदी के जेवारात नहीं थे। कुल चोरी लगभग 27 हजार से अधिक की बताई जा रही है। अनुज ने मामले की रिपोर्ट दरिमा थाना में दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## चोरी के मामले में पुलिस ने एक नाबालिग सहित दो आरोपी को किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

कोतवाली थाना क्षेत्र के खैरबार में सूने मकान का ताला तोड़कर चोरों ने नगदी समेत साढ़े तीन लाख के जेवरात पार कर दिए थे। मामले में कोतवाली पुलिस ने एक नाबालिग सहित दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार दीपक गुप्ता कोतवाली थाना क्षेत्र के खैरबार गड़ाघाट का रहने वाला है। घटना के समय इसका पूरा परिवार बिहार गया हुआ था। घर में केवल दिपक व उसके पिता थे। घटना दिवस 17 फरवरी की रात को दीपक उसके पिता पुलिस लाइन स्थित अपने भाई के घर खाना खाने गए थे। खाना खाकर वापस करीब 8.45 बजे पहुंचा तो देखा की घर का लाइट जल रहा है और बाउंड्री फांदकर एक-एक कर दो लडक़े भाग गए। इस दौरान दीपक ने उनका पीछा भी किया पर अंधेरे का फायदा उठाकर दोनों फरार हो गए थे। घर आकर सामान का मिलान किया तो चोरों ने अलमारी का लॉक तोडक़र 70 हजार रुपए नकदी समेत साढ़े तीन लाख रुपए का जेवरात पार कर दिए थे। दीपक ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई थी। पुलिस अज्ञाता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली की रेयाज अंसारी उर्फ छोटू एवं एक अन्य नाबालिग वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो दोनों ने वारदात को अंजाम देना बताया। पुलिस ने इनके कब्जे से 21 हजार 500 रुपए नकद, रेडो कम्पनी का घड़ी, 2 नग सोने का अंगूठी, आर्टिफिशल लॉकेट 1 नग, 4 नग चांदी का बिछिया बरामद की है। मामले में पुलिस ने आरोपी रेयाज अंसारी उर्फ छोटू के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। वहीं नाबालिग को बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया है।

## कंटेनर व बोलेरो में भिड़ंत,5 की मौत, महाशिवरात्रि पर पूजा कर लौट रहे थे सभी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

सीतापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम विशुनपुर के पास कंटेनर व बोलेरो में भिड़ंत हो गई। हादसे में बोलेरो सवार एक महिला व 5 माह के दुधमुंहे बच्चा समेत 5 लोगों की मौके हो गई। बोलेरो में लगभग एक दर्जन लोग सवार थे। मृतक में दो सगे भाई भी शामिल हैं। सभी महा शिवरात्रि के मौके पर जशपुर जिले के किलकिला शिव मंदिर पूजा अर्चना कर वापस लौट रहे थे। सरगुजा जिले के ग्राम रेवापुर-सखौली निवासी एक ही परिवार के महिला-पुरुष व बच्चे समेत 1 दर्जन लोग महाशिवरात्रि के मौके पर बोलेरो क्रमांक सीजी 15 ईडी 7078 में सवार होकर जशपुर जिले के किलकिला स्थित शिव मंदिर में दर्शन करने गए थे। पूजा-अर्चना के बाद सभी बोलेरो से घर लौट रहे थे। वे दोपहर करीब 12.30 बजे रायगढ़-अंबिकापुर नेशनल हाइवे पर सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम मंगारी व बालमपुर के बीच स्थित विशुनपुर प्लांट के पास पहुंचे ही थे कि तेज रफ्तार कंटेनर ने बोलेरो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए व वह सडक़ पर पलट गई। हादसे में राजकुमार अगरिया (61), अंजली अगरिया (26), सूरज अगरिया (13), व 6 माह का मासूम की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल आयुष अगरिया पिता संजय अगरिया (12) समेत 7 लोगों को सीतापुर अस्पताल से रेफर करने पर अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने आयुष अगरिया को मृत घोषित कर दिया। इस तरह मृतकों की संख्या कुल 5 हो गई। भीषण सडक़ हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 5 लोग गंभीर रूप से जख्मी हैं। घायलों में विवान पिता संजय (4), दीपिका पिता चक्रधारी (10), दुलारी पति कुरनास (35), रूपनी पति चक्रधारी (32) व भगीता पति संजय (26) शामिल हैं। इन सभी का इलाज मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है। वहीं बोलोरों में सवार 2 अन्य लोगों को मामूली चोट आई है।

### भीड़ से कंटेनर में लगाई आग

इधर हादसे से गुस्साए लोगों ने कुछ दूर जाकर खड़े हुए कंटेनर में आग लगा दी। बीच सडक़ पर वाहन में आग लगा दिए जाने से आवागमन ठप हो गया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने किसी तरह आग बुझाई। वहीं कंटेनर चालक वाहन छोडक़र मौके से फरार हो गया है। हादसे से महाशिवरात्रि की खुशियां मातम में बदल गई हैं।

## पूर्व उपमुख्यमंत्री ने छठ घाट का किया शलान्यास

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने महाशिवरात्री पर्व के अवसर पर शिवसागर बांध के पश्चिमी तट पर पैलेस छठ घाट के कंक्रीटीकरण और सौन्दर्यीकरण की नींव रखी। विगत कई वर्षों से शहर के छठव्रति छठ पर्व पर अर्घ्य देते आ रहे हैं। छठव्रतियों की बढ़ती संख्या एवं बांध में सुव्यवस्थित घाट नहीं होने के कारण उप मुख्यमंत्री ने स्वयं के खर्च से घाट निर्माण का संकल्प लिया। इसी कड़ी में बुधवार को प्रथम चरण में करीब 10000 वर्ग फिट घाट निर्माण का शिलान्यास किया गया। महाशिवरात्री पर्व के अवसर पर हुए इस शिलान्यास के दौरान विधि-विधान से शिव-पार्वति की पूजा कर शिलान्यास का कार्यक्रम हुआ। पूजा के दौरान कुंभ के दौरान प्रयागराज संगम से लाए गए जल का उपयोग किया गया एवं शिवसागर बांध के जल में संगम से लाए गए जल को प्रवाहित किया गया। पूजा के दौरान अम्बिकापुर के पूर्व महापौर डॉ. अजय तिर्की, नवनिर्वाचित सबसे कम उम्र की पार्षद मेघा खांडेकर बैठीं थीं।

इस दौरान बालकृष्ण पाठक, जेपी श्रीवास्तव, अजय अग्रवाल, शफी अहमद, द्वितेन्द्र मिश्रा, मो. इस्लाम, रशीद अहमद, दुर्गेश गुप्ता, रविन्द्र सिंह तोमर, मदन जायसवाल, अनूप मेहता, आशीष वर्मा, गुरुप्रीत सिंद्धु, दिनेश सोनी, बबन सोनी, सिंधु सोनी, शंकर प्रजापति, दीपक सिंह तोमर, नरेन्द्र सिंह टुटेजा, नितिश चौरसिया, अविनाश कुमार, रजनीश सिंह, विकास केशरी,आतिश शुक्ला, आलोक गुप्ता, अमित सिंह, दिनेश शर्मा, रोशन कन्नौजिया, देवेश त्रिपाठी, अंशु गुप्ता, तरनजीत सिंह बाबरा, मनीष तिवारी, पूर्णिमा सिंह, किरण सिंह सहित बडी संख्या में नागरिक मौजूद थे।

### 25 डिसमिल भूमि पर होगा घाट का निर्माण

इस दौरान पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि रियासतों के विलीनिकरण के दौरान शिवसागर बांध की संपत्ती राजपरिवार के पास रही थी लेकिन यह संपत्ती सभी के निर्बाध उपयोग के लिये है। राजपरिवार ने छठ पूजा के दौरान छठव्रतियों की कठिनाई को देखते हुए घाट को सुव्यवस्थित करने का निर्णय लिया है। इस दिशे में प्रथम चरण का कार्य शीघ्र प्रारंभ कर इसे छठ पूजा के पहले तैयार कर लिया जाएगा। आवश्यकता अनुरुप अगामी चरणों में शिवसागर बांध के तटों पर आगे भी घाट निर्माण की योजना है। प्रथम चरण में 10 हजार वर्गफिट क्षेत्र का कंकीटीकरण किया जा रहा है। इस तट पर लगभग 34 डिसमिल जमीन पर यह निर्माण किया जाना है। इसमें 10-10 फिट के दो स्टेप होंगे। प्रथम चरण के इस निर्माण को 2025 के छठ पर्व के पूर्व पूर्ण करने की योजना है।

# बलरामपुर जिला पंचायत में बीजेपी समर्थित उम्मीदवारों की जीत,अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का पद पक्का

» बलरामपुर जिला पंचायत चुनाव में सबसे ज्यादा बीजेपी समर्थित उम्मीदवार जीते हैं...ऐसे में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष बीजेपी का बनना तय माना जा रहा है...

- संवाददाता -
बलरामपुर,26 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तीसरे चरण में जनपद पंचायत रामचन्द्रपुर और वाड्रफनगर में 23 फरवरी को मतदान संपन्न हुआ था। जिसके नतीजों की घोषणा संयुक्त जिला कार्यालय में जिला पंचायत सीईओ एवं रिटर्निंग अधिकारी नयनतारा सिंह तोमर ने की। इस दौरान चुनाव जीतकर आए उम्मीदवारों ने कहा कि वो आने वाले समय में ग्राम पंचायत की जनता के भरोसे में खरा उतने की कोशिश करेंगे। आपको बता दें कि बलरामपुर रामानुजगंज जिले के 14 जिला पंचायत क्षेत्रों में बारह बीजेपी समर्थित उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है। अब बीजेपी समर्थित सदस्य के जिला पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष बनना लगभग तय माना जा रहा है।

गांवों का विकास करने का वादा किया था इस दौरान रामचंद्रपुर विकासखंड क्षेत्र के जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 05 नवाडीह से जिला पंचायत सदस्य का चुनाव मुंशी राम ने जीता.जीतने के बाद मुंशी राम ने कहा कि हमारे क्षेत्र के 35 ग्राम पंचायतों की देवतुल्य जनता ने आशीर्वाद देकर मुझे जिताया है.। उनकी मंशा और विचारधारा के अनुसार राय मशविरा कर विकास कार्यों को करने का प्रयास करेंगे। बड़ी जीत मिलने के बाद जिम्मेदारी भी बड़ी है हम जनता के बीच रहकर काम करेंगे उनके सुख-दुख में साथ रहेंगे और उनकी आवाज को भी उठाएंगे।

### बीजेपी समर्थित उम्मीदवारों की जीत

जिला पंचायत क्षेत्र विजयनगर सीट पर बद्री यादव ने जीत दर्ज की है । रामचंद्रपुर विकासखंड क्षेत्र में जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 06 विजयनगर के 30 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने मतदान में हिस्सा लिया। जिला पंचायत सदस्य का चुनाव जीतने वाले बद्री यादव ने कहा कि हमारे क्षेत्र की जनता ने मुझे आशीर्वाद दिया है। हम उनके सुख-दुख में हमेशा साथ रहेंगे व जनता के लिए 24 घंटे उपलब्ध रहेंगे। चुनाव से पहले मैंने यह प्रण लिया था कि खाली पैर बिना चप्पल के रहकर धरती माता और गौमाता की सेवा करेंगे।

### क्षेत्र की जनता के लिए 24 घंटे रहेंगे उपलब्ध

बलरामपुर के जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 03 सुलसुली से जिला पंचायत सदस्य का चुनाव जीतने वाले उम्मीदवार रामप्रताप सिंह ने कहा कि हमारे क्षेत्र की 31 गांवों की जनता ने मुझे जीत का आशीर्वाद दिया है। मैं 24 घंटे जनता की सेवा करने के लिए हमेशा उपलब्ध रहूंगा।

बलरामपुर जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर ने जानकारी देते हुए बताया कि तीसरे चरण में हुए जिला पंचायत सदस्य के मतगणना में जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक-01 से निर्वाचित सदस्य अनुसुइया वर्मा, क्षेत्र क्रमांक-2 से निर्वाचित सदस्य बेला कुशवाहा,क्षेत्र क्रमांक-03 से निर्वाचित सदस्य रामप्रताप सिंह, क्षेत्र क्रमांक-04 से निर्वाचित सदस्य साधना संतोष यादव, क्षेत्र क्रमांक-05 से निर्वाचित सदस्य मुन्शी राम और क्षेत्र क्रमांक-06 से निर्वाचित सदस्य बद्री यादव को रिटर्निंग अधिकारी ने सर्टिफिकेट दिया है।

### 14 निर्वाचित जिला पंचायत सदस्यों को बांटे सर्टिफिकेट

बलरामपुर रामानुजगंज जिले में 14 जिला पंचायत क्षेत्रों में तीन चरणों में चुनाव हुए.अब सभी सीटों पर चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद निर्वाचित सदस्यों को बतौर रिटर्निंग ऑफिसर जिला पंचायत सीईओ ने जीत का प्रमाणपत्र सौंपा है।

# जादू-टोना के शक पर 65 वर्षीय वृद्ध की हत्या,पुलिस ने 24 घण्टे में खोल दिया राज

- संवाददाता -
बलरामपुर,26 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जादू-टोना के शक पर 65 वर्षीय वृद्ध की हत्या के मामले का पुलिस ने 24 घण्टे में खुलासा कर दिया है। आरोपी ने अपने दो बच्चों की मौत हो जाने और एक बच्चे को आंख से दिखाई नहीं देने पर जघन्य हत्या का प्लान बनाया था। मामला बलरामपुर जिले के चांदो थाना क्षेत्र का है।

जानकारी अनुसार, प्रार्थी कलेश्वर नाग पिता जगतू नाग निवासी नवाडीहकला, पियारटोली थाना चांदो जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के द्वारा थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि 18 फरवरी को वह अपनी पत्नी की डिलेवरी हेतु अंबिकापुर गया था। उसकी सास तिलासों नाग पति स्व. लहडू 65 वर्ष निवासी नवाडीहकला पियार टोली घर में अकेली थी। 24 फरवरी को मितानिन सीमा कुजूर ने फोन के माध्यम से सूचना दी कि आपकी सास की मृत्यु हो गयी है। सूचना पर प्रार्थी जब ग्राम नवाडीहकला (पियारटोली) पहुंचा तो दरवाजा बाहर से बंद था, जिसे खोलकर देखा तो इसकी सास घर अंदर कमरे में जमीन पर सिर में चोट तथा मृत अवस्था में पड़ी थी। मामले में पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की।

मामले में पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर ने टीम गठित कर प्रकरण के जांच के आदेश दिए। जांच में मुखबिर से जानकारी मिली कि गांव का ही बोडरा उर्फ रूपदेव नाग मृतिका तिलासो नाग पर जादू-टोना का शक करता था। दो वर्ष पूर्व उसके एक लड़का व एक लड़की की पानी में डूबने व एक्सीडेंट होने से मृत्यु हो गई थी। वर्तमान में छोटा बच्चा का आंख खराब होने पर वह तिलासो नाग को जादू टोना करते हो कहकर पैर से मारा था।

जानकारी पर थाना प्रभारी चांदो निरीक्षक दुवेन्द्र सिंह टेकाम के नेतृत्व में स्टाफ एवं चौकी गणेशमोड़ प्रभारी, उप निरी. ओमप्रकाश पटेल के स्टाफ ने बोडरा नाग उर्फ रूपदेव को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पहले वह पुलिस को गुमराह करता रहा पर कड़ाई से पूछने पर उसने तिलासो नाग की हत्या करना स्वीकार कर लिया।

आरोपी ने बताया कि मृतिका मेरा घर परिवार में जादू टोना करती थी, जिसे मेरे दो बच्चे की मृत्यु व एक बच्चा की आंख नहीं दिखाई देता है इसी गुस्से में 23 फरवरी को रात लगभग 12 बजे के मध्य मृतिका के घर जाकर लकड़ी के नुकिलानुमा टुकड़ा से उसके आंख में पहले वार किया फिर पास में पड़े ईट से उसके आंख, चेहरा व सिर में वार कर हत्या कर वहां से भाग निकला। पुलिस ने मामले की 24 घंटे के अंदर खुलासा कर दिया, इस कार्यवाही में थाना चांदो व गणेशमोड़ पुलिस टीम का विशेष योगदान रहा है।

# जनपद पंचायत अध्यक्ष-उपाध्यक्ष चुनाव के लिए भाजपा पर्यवेक्षकों के नाम की हुई घोषणा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

आज भाजपा सरगुजा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने जिला में जनपद पंचायत अध्यक्ष उपाध्यक्ष चुनाव के लिए भाजपा पर्यवेक्षकों के नाम की घोषणा कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला के आठ जनपद पंचायत में निर्धारित तिथि को पर्यवेक्षक अपनी उपस्थिति में चुनाव कराएंगे।

जानकारी देते हुए भाजपा सरगुजा मीडिया विभाग ने बताया कि 4 मार्च को अंबिकापुर जनपद पंचायत के लिए पर्यवेक्षक के रूप में देवनाथ सिंह पैकरा, 6 मार्च को लखनपुर जनपद पंचायत में ललन प्रताप सिंह, 10 मार्च को उदयपुर जनपद पंचायत में अंबिकेश केसरी, 4 मार्च को लुण्ड्रा जनपद पंचायत में अनिल सिंह मेजर, 4 मार्च को बतौली जनपद पंचायत में भारत सिंह सिसोदिया, 4 मार्च को सीतापुर जनपद पंचायत में अखिलेश सोनी एवं 10 मार्च को मैनपाट जनपद पंचायत में हरपाल सिंह भामरा पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित होकर चुनाव संपन्न कराएंगे।

# बिशनपुर जंगल में अधेड़ की फांसी पर झूलती मिली लाश जांच में जुटी पुलिस

- संवाददाता -
उदयपुर,26 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के उदयपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बिशनपुर के जंगल में एक अधेड़ व्यक्ति की फांसी पर झूलती हुई लाश मिलने पर इलाके में सनसनी फैल गई है।

मामला उदयपुर थाना के 3 किलोमीटर की दूरी पर ग्राम बिशनपुर के दिनांक 26/02/2025 को महादेव सरना के पास एक छोटे साल के पेड़ पर एक अज्ञात व्यक्ति का फांसी पर लटका शव ग्रामीणों के द्वारा देखा गया, तत्काल उदयपुर पुलिस को सूचना देकर मौके पर पहुंची पुलिस थाना पताशाजी करने लगी तभी पता चला कि फांसी पर लटका शव ग्राम भकुरमा निवासी माया राम मझवार( उम्र 38)का है। जो महाकाल ढाबा में काम करता था।

ढाबा पर पहुंच उदयपुर पुलिस सहदेव वर्मन, विजय पैकरा ने तस्दीक किया तो ढाबा मालिक दिनेश यादव ने बताया कि मृतक माया राम कुछ दिनों से होटल में काम कर रहा था जो बीती रात को करीब दो बजे बाहर फ्रेश होने के लिए निकला था जो वापस नहीं आया, उदयपुर थाना से भकुरमा में परिजनों को खबर देकर बुलाया लास का पंचनामा कर पेड़ से उतरवाया गया जिसे मर्चुरी में रखवाया गया है लास का पोस्टमार्टम के पाश्चात्य परिजनों को सौंप दिया जाएगा पुलिस मामले की तस्दीक कर रही है।

# पत्नी की हत्या कर साक्ष्य छुपाने हेतु शव को जलाकर गुम इंसान दर्ज कराने के मामले में सरगुजा पुलिस एवं जीआरपी शहडोल की संयुक्त कार्यवाही...मामले मे आरोपी पति किया गया गिरफ्तार

» थाना लखनपुर पुलिस टीम एवं जीआरपी शहडोल द्वारा आरोपी के निशानदेही पर मृतिका का जला हुआ कंकाल बरामद कर आरोपी के विरुद्ध की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही...

» पति का अन्य किसी लड़की से संबंध होने की शंका पर पत्नी द्वारा वाद विवाद करने पर आरोपी द्वारा परेशान होकर पत्नी कों घूमने के बहाने कुंवरपुर जंगल ले जाकर साल से मृतिका का गला दबाकर की गई थीं हत्या...

» मृतिका की हत्या पश्चात आरोपी द्वारा साक्ष्य छुपाने हेतु शव कों पेट्रोल से जलाकर हुआ था घटनास्थल से फरार,घटना पश्चात जीआरपी शहडोल पहुंचकर ट्रेन से जाने के दौरान पत्नी के गुम होने की सूचना कराई गई थीं दर्ज...

» पुलिस टीम द्वारा मौक़े से मृतिका के पहने हुए वस्त्र के अधजले टुकड़े एवं बाजारू अंगूठी किया गया बरामद...

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

प्रार्थी सउनि देवनारायण बिजोरिया थाना जीआरपी शहडोल जिला शहडोल मध्यप्रदेश का दिनांक 25/02/25 कों थाना लखनपुर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 14/02/25 कों सूचक अमरीश कुमार पिता भग्गु उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम कसौली थाना चरथाबल जिला मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश के द्वारा अपनी पत्नी मोनी निशाद राज उम्र 28 वर्ष के अनुपपुर से कटनी जाने के दौरान ट्रेन के अनुपपुर रेल्वे स्टेशन से चलने के तुरंत बाद उसकी पत्नी फ्रेश होने जाना बोलकर गयी थी जो वापस नहीं आयी उसके द्वारा काफी पता तलाश किया गया नहीं मिलने पर मामले मे थाना जीआरपी शहडोल जिला शहडोल मध्यप्रदेश में गुम इंसान क्रमांक 01/25 दिनांक 14/02/25 को दर्ज कर जांच किया गया।

गुम इंसान जाँच के क्रम मे सूचनाकर्ता अमरीश कुमार से मामले मे कड़ाई से पूछताछ करने पर बताया कि उसकी पत्नी मोनी निशाद राज द्वारा उसका अन्य लड़की से संबंध होने की शंका करके लगातार लड़ाई झगड़ा करती रहती थी जिससे आरोपी परेशान रहता था। इसी वजह से उसने अपनी पत्नी मोनी निशाद राज को घुमने के बहाने दिनांक 11/02/25 को लखनपुर जिला सरगुजा छत्तीसगढ़ के ग्राम कुंवरपुर के जंगल पहाड़ी में सुनसान जगह पर ले जाकर करीब 12.30 बजे दिन में साल से मोनी निशाद राज का गला दबाकर जान से मार दिया हैं एवं उसके बाद रोड़ पास के दुकान से पेट्रोल लाकर मृतिका पर पेट्रोल डालकर जला दिया है कि अमरीश कुमार को हिरासत में लेकर गवाहों के समक्ष मेमोरण्डम कथन लेखबद्ध कर तस्दीकी हेतु गवाहों को साथ लेकर लखनपुर जिला सरगुजा छत्तीसगढ टीम पहुंची, जहां लखनपुर के ग्राम कुंवरपुर के जंगल पहाड़ी में अमरीश कुमार के निशानदेही पर एक जला हुआ शव का कंकाल मिला जिसे अमरीश कुमार ने अपनी पत्नी का कंकाल होना बताया है,घटनास्थल निरीक्षण पर पुलिस टीम द्वारा मौक़े से मृतिका के पहने हुए वस्त्र के अधजले टुकड़े एवं बाजारू अंगूठी बरामद किया गया।

पुलिस टीम द्वारा मृतिका का कंकाल बरामद कर मामले मे अग्रिम कार्यवाही करते हुए शव पंचनामा की कार्यवाही कर मामले मे थाना लखनपुर मे मर्ग क्रमांक 19/25 धारा 194 बी. एन. एस. एवं अपराध क्रमांक 46/25 धारा 103(1), 238 बी. एन. एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया, पुलिस टीम द्वारा मामले के आरोपी अमरीश कुमार आत्मज भग्गु उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम कसौली थाना चरथाबल जिला मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कारित करना स्वीकार किया गया एवं साक्ष्य छुपाने हेतु शव कों पेट्रोल से जलाकर घटनास्थल से फरार होना बताया गया, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से मामले मे आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता हैं।

सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी लखनपुर प्रशिक्षु आईपीएस श्री मयंक मिश्रा, निरीक्षक अश्वनी सिंह, प्रधान आरक्षक पन्ना लाल,प्रधान आरक्षक रवि सिंह, आरक्षक दशरथ राजवाड़े, चित्रसेन प्रधान सक्रिय रहे।

# अनाथ मानसिक दिव्यांग केन्द्र में महाकुम्भ कार्यक्रम का आयोजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर व 144 वर्षों बाद 48 दिन चलने वाले महाकुम्भ के आखरी दिन घरौंदा आश्रय गृह केंद्र में कुंभ स्नान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में आश्रम में रहने वाले सभी मानसिक, अनाथ, दिव्यांग लोगों को त्रिवेणी संगम का पवित्र जल से स्नान करवाया गया। संस्था के संचालिता रीता अग्रवाल द्वारा सभी हितग्राहियों में बिना किसी भेदभाव के कुम्भ स्नान कराया गया। इस दौरान सभी अनाथ, मानसिक, दिव्यांगों के चरण पखारे गए। इसके बाद उनका तिलक लगा माल्यार्पण किया गया। इसके बाद आश्रम में भण्डारे का आयोजन किया गया।

# जिला पंचायत में भाजपा की सरकार बनाना तय है

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

जिला पंचायत चुनाव पश्चात अध्यक्ष उपाध्यक्ष चुनाव के परिपेक्ष्य में भाजपा सरगुजा जिला मीडिया विभाग ने प्रेस विज्ञप्ति जारी किया।

जिला सह संवाद प्रमुख रूपेश दुबे ने कहा कि भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में यह जीत सभी कार्यकर्ताओं की जीत है, और जिला पंचायत में भाजपा की सरकार बनाना तय है। हमें मिल रहा सम्मान स्वागत सभी कार्यकर्ताओं का स्वागत है, भाजपा के कार्यक्रम और रोड शो में जैसी भीड़ उमड़ रही थी उससे ही हमें जीत का विश्वास हो गया था। उन्होंने बताया कि जिला पंचायत चुनाव के चुनाव परिणाम में भाजपा के श्रीमती दिव्या सिंह, श्रीमती पायल सिंह, विजय अग्रवाल, राधा रवि, निरूपा सिंह, देवनारायण यादव, नानमणि पैकरा को जनता ने अपना समर्थन देकर विजयी बनाया है, तथा तीन अन्य जीते हुए निर्दलीय जिला पंचायत सदस्यों का समर्थन भाजपा को प्राप्त है,

और इस प्रकार कुल 14 सीटों में 10 सीट ले कर हम जिला पंचायत में बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को जनता ने पूरी तरह नकार दिया है और तीन सीट प्राप्त करके खोखली दावा और भ्रामक वादा करने वाली कांग्रेस इस दौड़ में बहुत पीछे है। उन्होंने कहा कि भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में लड़े गए चुनावों में जनता का अपार आशीर्वाद मिलने से हमारी जिम्मेदारी और बढ़ता है, हम उस पर पूरी तरह खरे उतरेंगे, जनता के कार्यों के लिए हम दिन-रात काम करेंगे कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

## निधन

# श्रीमती सोमरा देवी गुप्ता

सुरजपुर,26 फरवरी 2025 (घटती-घटना)। गायत्री परिवार के वरिष्ठ सदस्य व पूर्व जिला समन्वयक लोचन प्रसाद गुप्ता की धर्म पत्नी × वरिष्ठ पत्रकार अजय गुप्ता व विजय गुप्ता की माताजी श्रीमती सोमरा देवी का बीती रात दुखद निधन हो गया।उनका अंतिम संस्कार रेणुका नदी तट स्थित मुक्ति धाम में किया गया।जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

# क्या रिटर्निंग ऑफिसर की गलती किसी प्रत्याशी की हार वजह बनी?

## प्रत्याशी को चुनाव चिन्ह आवंटित करने में रिटर्निंग ऑफिसर की गलती आई सामने

## रिटर्निंग ऑफिसर ने प्रत्याशी को चुनाव चिन्ह आवंटित किया फावड़ा छाप,मतदान के दिन पता चला कि उसका आवंटित चुनाव चिन्ह बदलकर हो गया था सीढ़ी छाप

## आबंटन में जब था दूसरा छाप तब कैसे बदला छाप,प्रिंटिंग में हुई गड़बड़ी लेकिन रिटर्निंग ऑफिसर ने नहीं दिया ध्यान

### मतदाताओं ने फावड़ा छाप समझकर प्रत्याशी को दिया अपना मत,पर जीत गया कोई और, निर्वाचन अधिकारियों से शिकायत कर प्रत्याशी ने बताया अपना दुखड़ा...पर अब तो हो नहीं सकता कुछ,मिला जवाब








-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 26 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

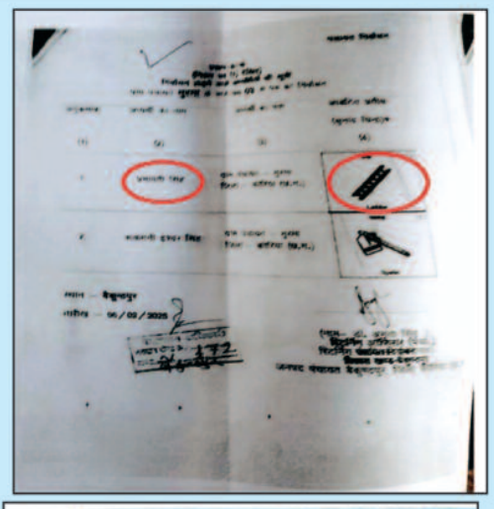

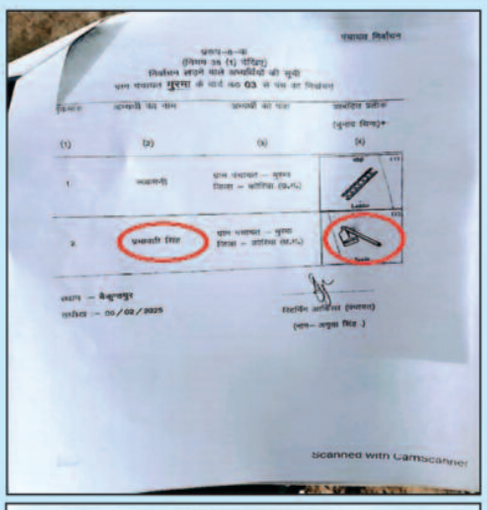

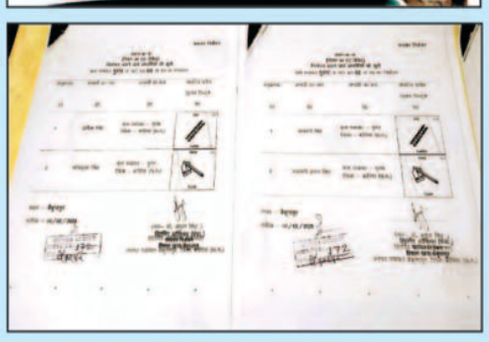

भले ही नवीन जिला एमसीबी बना था पर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में लगा कि कोरिया जिला ही नवीन जिला है जिस जिले में कई त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव संपन्न हो गए इस जिले में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान इतनी खामियां इस बार देखने को मिली की ऐसा लगा कि पहली बार कोई जिले में चुनाव हो रहा है या कहें तो ऐसा लगा नौसिखिए चुनाव करा रहे हैं, अनुभवहीन लोगों के हाथों चुनाव की कमान समझ में आई जिससे कुछ लोगों प्रत्याशियों को नुकसान हुआ जो अब कभी भरा न जा सकने वाला नुकसान है, इसबार ऐसा लगा की पहली बार कोरिया जिले में बैलेट पेपर से त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव करवाया जा रहा है ऐसे नौसिखिए अधिकारी कर्मचारी इस चुनाव में बैठे थे और चुनाव प्रक्रिया में त्रुटि के अंबार में प्रत्याशियों के नाम वापसी से लेकर चुनाव चिन्ह आवंटित तक कई त्रुटियां सामने आई। एक नई त्रुटि जो समाने आई है अब वह तो और चौंका देने वाली त्रुटि है जिसमें रिटर्निंग ऑफिसर सहित सहायक रिटर्निंग ऑफिसर पर कार्यवाही कम से कम होनी चाहिए क्योंकि किसी प्रत्याशी का चिन्ह ही मतदान के दिन बदला जाना अक्षम्य अपराध माना जाना चाहिए।

बता दें कि रिटर्निंग अधिकारी के यहां से प्रत्याशी के लिए चुनाव चिन्ह आवंटित हो जाता है उसकी प्रति भी प्रत्याशी को दे दी जाती है वहीं वह प्रत्याशी आबंटित चुनाव चिन्ह को लेकर पूरा प्रचार भी करता है पर जिस दिन चुनाव होना होता है उस दिन प्रत्याशी को पता चलता है कि प्रत्याशी जो चुनाव चिन्ह अपना बताकर लोगों के बीच प्रचार कर रहा था वह अन्य को आबंटित है मतपत्र में और वह जब इसकी शिकायत करता है तो उसे शिकायत पर कोई जवाब या निष्कर्ष देंने की बजाए उल्टे न्यायालय जाने की सलाह दी जाती है, वहीं उसे जब पता चला कि वह जिस चिन्ह के साथ लोगों के बीच उनका मत मांगने जा रहे थे वह चुनाव चिन्ह तो उसका है ही नहीं उस समय उसके पैरों तले जमीन खिसक गई वहीं वह जब तक कुछ समझ पाता तब तक सबकुछ संपन्न हो चुका था और वह चुनाव हार चुका था वहीं तब तक तो सारी गड़बड़ियां हो चुकी थी, इसी घटना पर एक कहावत चरितार्थ होती है वह कहावत है% अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत% एक हिन्दी लोकोक्ति है. इसका मतलब है कि समय बीत जाने के बाद पछताने से कोई फ़ायदा नहीं होता, यह कहावत प्रत्याशी पर एकदम सटीक बैठती है क्योंकि शुरुआत में ही इस पर ध्यान दे दिया गया होता तो शायद यह स्थिति नहीं होती।

### प्रत्याशी पूर्व में मिले चुनाव चिन्ह पर ही अपना प्रचार-प्रसार कर मतदाताओं से अपने लिए मत मांगती रही

प्रत्याशी की माने तो वह अपने आबंटित चिन्ह के साथ प्रचार कर रही थी और उसे आभास ही नहीं था कि वह अंतिम समय में रिटर्निंग ऑफिसर की बड़ी गलती का शिकार हो जाएगी। रिटर्निंग ऑफिसर प्रिंटिंग कार्य उपरांत यदि पूरे मतपत्रों का मिलान सही से करते तो त्रुटि पकड़ में आ जाती लेकिन ऐसा नहीं हुआ और अंत में अपनी त्रुटि का ठीकरा रिटर्निंग ने प्रत्याशी पर फोड़ दिया और वह आबंटित चिन्ह पर ही प्रचार करती रही और अंतिम दिवस मतपत्र में उसे दूसरा चिन्ह चुनाव का आबंटित प्रकाशित मिला और वह चुनाव हार गई। यह त्रुटि पीठासीन अधिकारी की भी है और अन्य मतदान दल के कमर्चारियों की भी क्यों उन्होंने आबंटित चिन्ह और मतपत्रों का मिलान सही तरीके से नहीं किया और चुनाव संपन्न करा लिया।कार्यवाही की मांग और त्रुटि से हारे प्रत्याशी की जीत घोषित या पुनः चुनाव की मांग प्रत्याशी की है जो जायज भी है।

### क्या किसी प्रत्याशी के हार का कारण रिटर्निंग ऑफिसर बने?

वैसे इस मामले के बाद यह सवाल उठता है कि यदि यह जानबूझकर नहीं किया गया तो इसे प्रिंटिंग त्रुटि माना जाए और यदि ऐसा है तो क्या रिटर्निंग ऑफिसर इसके लिए दोषी हैं।रिटर्निंग ऑफिसर ही मतपत्रों के प्रकाशन के लिए जिम्मेदार होता है और फिर उसे सही प्रकाशन हुआ कि नहीं यह परीक्षण करना होता है,क्या यह नहीं हुआ। वैसे यदि ऐसा है तो निर्वाचन आयोग को रिटर्निंग ऑफिसर के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही करनी चाहिए,क्योंकि छोटे कर्मचारियों को यही अधिकारी वर्ग तत्काल निपटा देता है चुनाव में और अपनी बड़ी गलतियां भी पचा ले जाता है,वैसे इस मामले में रिटर्निंग ऑफिसर पूरी तरह दोषी माने जाएंगे यदि आरोप सही है।

### प्रत्याशी का शिकायत वाला दुखड़ा

खैर पीठासीन अधिकारी ने जो गड़बड़ी की अब इसके बाद प्रत्याशी प्रभावती सिंह पति फुरमान सिंह निवासी मुरमा फरिकापानी थाना व तह0 पटना जिला कोरिया ने कलेक्टर से शिकायत करते हुए कहा कि मेरे द्वारा ग्राम पंचायत मुरमा के वार्ड क. 03 के पंच पद हेतु अभ्यर्थी के रूप में चुनाव लड़ रही थी जिसमें मेरे को दिनांक 06.02.2025 को रिटर्निंग ऑफिसर (पंचायत) के हस्ताक्षर के साथ फावड़ा छाप का चुनाव चिन्ह मिला हुआ था, लेकिन निर्वाचन दिनांक 23.02.2025 को प्राथमिक पाठ शाला मुरमा में निर्वाचन दल के द्वारा मेरा चुनाव चिन्ह सिढी छाप दिवाल में प्रदर्शित किया गया व वैलेट पेपर में भी मेरा चुनाव चिन्ह सीढ़ी छाप था और मेरे साथ वार्ड क. 03 के प्रत्याशी रूकमणी ईश्वर सिंह पोया जिनका चुनाव चिन्ह सिढी छाप है। तथा मेरे चुनाव चिन्ह फावड़ा छाप में 51 मत व सिढी छाप में 25 मत प्राप्त हुआ था। जीत का अंतर 26 मत का है। परंतु चुनाव चिन्ह व नाम स्पष्ट नहीं होने से वार्ड पंच प्रतिनिधि बनने के लिए समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। मेरे चुनाव चिन्ह में लापरवाही के कारण मेरे साथ अन्याय हुआ है जिसकी गहन जांच करते हुए संबंधित चुनाव अधिकारी व अन्य के विरूद्ध कार्यवाही करें तथा मेरे नाम व चुनाव चिन्ह को दिनांक 06.02.2025 के अनुसार स्पष्ट करते हुए मेरे साथ न्याय करने की कृपा करें।

### जब चुनाव चिन्ह बदल दिया गया तो फिर प्रत्याशी को सूचना क्यों नहीं दी गई?

यदि किसी कारणवश किसी प्रत्याशी को आबंटित चुनाव चिन्ह अंतिम समय में बदल दिया गया तो फिर इसकी सूचना क्यों नहीं दी गई प्रत्यासी को यह भी सवाल उठ रहा है। अब प्रत्याशी चुनाव हारकर इस ग़म में है कि उसको आबंटित चिन्ह ही चुनाव जीत गया है वहीं वह उसी चिन्ह का प्रचार कर रहा था इसलिए वही जीत का हकदार था जो जीत उसे न मिलकर अन्य को मिल गई।

### क्या रिटर्निंग ऑफिसर पर होगी कार्रवाई?

पूरे मामले में रिटर्निंग ऑफिसर सहित पीठासीन अधिकारी अन्य मतदान दल कर्मचारियों पर कार्यवाही होनी चाहिए क्योंकि यदि आरोप सही है तो त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में कोरिया जिले में एक आदिवासी समुदाय के पंच प्रत्यासी के साथ यह एक तरह का अन्याय हुआ है जहां उसे रिटर्निंग ऑफिसर की त्रुटि पीठासीन अधिकारी सहित अन्य मतदान दल कर्मचारियों की त्रुटि की वजह से चुनाव में पराजित जो प्रायोजित जैसी हुई का सामना करना पड़ा है। वैसे यदि प्रकाशन गलत हुआ भी था तो स्टीकर लगाकर उसे सुधारा जा सकता था और ऐसे कई पूर्व के उदाहरण हैं जहां ऐसी त्रुटि जिनमें कई बार मतपत्रों में चिन्ह का ही प्रकाशन नहीं होना होता रहा है जहां सजग और कार्य के प्रति जिम्मेदार रिटर्निंग ऑफिसर, सेक्टर ऑफिसर,पीठासीन सहित अन्य मतदान दल कर्मचारियों की सजगता से पकड़ा जाता रहा है और स्टीकर लगाकर चुनाव कराया जाकर बिना किसी विवाद शिकायत चुनाव संपन्न कराकर जिले का नाम खराब होने से बचाया गया है। वैसे इस तरह के आरोप यदि सही है तो निश्चित ही रिटर्निंग ऑफिसर को कटघरे में खड़े करना चाहिए और कठोर कार्यवाही करनी चाहिए क्योंकि एक आदिवासी समुदाय का प्रत्यासी केवल लापरवाही के कारण जिम्मेदारों के चुनाव हार गया है।

# राजनीति की चाहत कम उम्र में भी आपको सेवा करने के मौका दे सकती है...

## एक 26 साल के युवा को जनता ने दिया सेवा करने का मौका...निर्वाचित होकर बना सरपंच

-रवि सिंह-
कोरिया,26 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

यदि आप राजनीति के क्षेत्र में भी अच्छी सोच व मेहनत के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं तो किस्मत भी आपके कदम चूमती है कुछ ऐसा ही कोरिया जिले में संपन्न हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भी देखने को मिला युवाओं के द्वारा राजनीति में अपना भविष्य तलाशने की जिद इसबार त्रिस्तरीय चुनावों में देखने को मिला, कोई युवा ग्राम में सरपंच बनना चाह रहा था तो कोई जनपद सदस्य कोई पंच वहीं कोई जिला सदस्य, सभी अपना अपना भाग्य आजमाइश कर रहे थे, ऐसे ही एक युवा ने 26 साल की उम्र में सरपंच निर्वाचित होकर नया कीर्तिमान स्थापित किया, कांग्रेस के लिए समर्थित समर्पित इस युवा ने अपने पंचायत में एक अलग ही मुकाम हासिल करके दिखाया है शुरू से ही लोगों की सेवा करना इसकी चाहत थी जिस चाहत ने उसे आज पंचायत चुनाव में सरपंच निर्वाचित कर उसे 5 साल अपने गांव की सेवा करने का मौका दे दिया है।

कठिन परिश्रम और संघर्ष के साथ आज यह सफलता हासिल हुई है कम उम्र में पिता के चले जाने के बाद माता जी ने संघर्षों के साथ शिक्षा दीक्षा दी इस युवा को फिर शुरुआती दौर से वह राजनीति और समाज सेवा में तत्पर रहा वहीं इस चुनाव में 20 वर्षों से क्षेत्र में सक्रिय बड़े-बड़े सभी मठाधीश नेता एक तरफ और एक युवा एक तरफ लड़ाई लड़ रहे थे, एक तरफ वर्चस्व की लड़ाई थी और एक तरफ 26 साल का युवा बड़े-बड़े धुरंधरों से लड़ाई लड़ रहा था, अंततः आज सच और सच्चाई की जीत हुई 20 वर्षों का किला ढह गया, कांग्रेस और भाजपा के नेता सभी साथ मिलकर एक युवा को पटकनी देने में लगे हुए थे लेकिन एक तरफ अकेला 26 साल का युवा चुनावी मैदान में था एक तरफ जिन्होंने अपने वर्चस्व को बचाने के लिए बल और धन पानी की तरह बहा दिया लेकिन एक युवा को वह नहीं रोक पाए...6 धुरंधर प्रतिद्वंदियों को 166 मतों से एक तरफा हराकर युवा चुनाव में जीत दर्ज कर गया।

### पूरे 5 साल अपने गांव के लिए निष्पक्ष सोच के साथ काम करकेः आशु कुजूर

ग्राम पंचायत सलबा का यह वाक्या है और जहां युवा वर्ग से आने वाले आशु कुजूर सरपंच निर्वाचित हुए। उनका कहना है कि वह अपना भविष्य आगे भी ऐसे ही तलाश करेंगे यह जो मौका मिला है उसे वह अपने आगे की राजनीतिक भविष्य को ऊंचाई देने के लिए साथ ही पूरे 5 साल अपने गांव के लिए निष्पक्ष सोच के साथ काम करके वह अपने लक्ष्य में भिड़े रहेंगे, वहीं उनका मानना है कि उन्हें ऐसा करना होगा ताकि आगे भी उन्हें सेवा का मौका बड़े स्तर पर मिले और अपने क्षेत्र का नाम वह गौरवान्वित कर सकें।वैसे राजनीति में अपना भविष्य तलाशने वाले युवाओं में से कितने सफल हुए कितने असफल इसके बीच एक बात और ध्यान देने वाली है जो यह है कि वादों के अनुरूप कौन साबित होता है और कौन जनता और क्षेत्र या ग्राम के लिए समर्पित होता है,आज राजनीति का क्षेत्र हर किसी को जब अपने ओर पहले आकर्षित करती है फिर आगोश में लेती है तब वह सारे किए वादे और कसमें भुलाने पर मजबूर कर देती है और अंत में परिणाम वह नहीं सामने आता जो आने की कल्पना होती है, वैसे युवा सरपंच आशु कुजूर का कहना है की वह खुद को ग्राम के लिए बेहतर सरपंच साबित करके दिखाएंगे और वह पांच साल बाद भी ग्राम के लिए चहेते होंगे वह ऐसा काम निस्वार्थ कर जायेंगे यह उनका वादा है। आशु कुजूर अपने लक्ष्य और राजनीति में अपने वादों को पूरा करने वाले बने ग्राम में वह विकास की गाथा नई लिखें यह उनके समर्थकों या निर्वाचित करने वालों की मंशा भी है और अब देखना है कि राजनीति की स्वार्थपरक गलियों के बीच कैसे एक युवा निस्वार्थ सेवा की कसम पूरी करता है।

# लापरवाही बरतने वाले एजेंसियों एवं ठेकेदारों पर कड़ी कार्यवाही करने के दिए निर्देश




-संवाददाता-
जशपुरनगर,26 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में निर्माण एजेंसियों की समीक्षा बैठक लेकर विभागवार प्रगतिशील कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को सभी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए उन्हें निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्माण कार्यो में लापरवाही बरतने वाले एजेंसियों एवं ठेकेदारों पर कड़ी कार्यवाही करने हेतु भी निर्देशित किया।

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री व्यास ने गृह निर्माण मंडल, जल संसाधन विभाग, सीजीएमएससी, विद्युत विभाग और आदिम जाति कल्याण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने विभागीय कार्यों की प्रगति को नियमित रूप से गूगल शीट पर अपडेट करें, ताकि वास्तविक स्थिति की निरंतर निगरानी की जा सके। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर श्री हरिओम द्विवेदी, आदिम जाति कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त श्री संजय सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

**न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,**

**ईश्तहार**

रा0प्र0क्र0.......... /अ- 6 /2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकण मो0 इमरान कुरैशी आ0 स्व0 अब्दुल जब्बार कुरैशी, साजिया कुरैशी पत्नि स्व0 मो0 इरफान कुरैशी,मो0 रेहान कुरैशी आ0स्व0 मो इरफान कुरैशी, मो0 अरमान कुरैशी आ0स्व0 मो0 इरफान कुरैशी, हिबा कुरैशी पुत्री स्व0 मो0 इरफान कुरैशी, सभी निवासी गुरूद्वारा वार्ड नं0 36 मायापुर अम्बिकापुर जिला सरगुजा के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि

मोहल्ला- स्कूल रोड, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि प्लॉट नं0 1431/2, 1432/2 रकबा क्रमशः 0.011/2, 0.011/2 एकड़ भूमि की स्वामिनी हमीदा बीबी के द्वारा अपने जीवनकाल में उक्त भूमि का हिब्बानामा(बख्शीसनामा) दिनांक 22/05/1992 का निष्पादन अपने बडे पुत्र अब्दुल जब्बार कुरैशी के पक्ष में किया गया था, जो कि आवेदक क्र0 01 के पिता आ0क्र0 02 के ससूर तथा शेष आवेदक के पितामह है। हिब्बाग्रहिता अब्दूल जब्बार कुरैशी की मृत्यु दिनांक 30/10/2021 को हो गई है। अतः उक्त हिब्बनामा दिनांक 22/05/1992 के आधर पर आवेदकगण द्वारा उक्त भूमि के नजूल अभिलेख से वर्तमान भूधारक हमीदा बीबी का नाम विलोपित कर स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु हिब्बानामा एवं भूधारक की मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109,110 छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 12/03/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06/02/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

**प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-01 अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ.ग. उ.प्र.क्र.**

उ0प्र0क्र0- 33/2024
प्रो0नं0 - 15/25

श्री अजय परमार, उम्र 59 वर्ष, पिता-स्व0 मावजी भाई परमार, पता-मकान नं0 7/510, गली नं0 02 शिव मंदिर के पास, फाफाडीह,रायपुर,छ0ग0
......आवेदक

**प्रति**

1. सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया,फाफाडीह,रायपुर,छ0ग0
2. आम जनता

....अनावेदकगण

**आवेदन अन्तर्गत धारा 372**
**भारतीय उत्तराधिकारी अधिनियम ।**

सर्व साधारण आम जनता निवासी ग्राम- फाफाडीह, रायपुर (छ0ग0) एवं हितबद्ध नागरिकों को सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा भारतीय उत्तराधिकारी अधिनियम की धारा 372 का वाद प्रस्तुत कर अपने बड़े भाई स्व0 वलमजी परमार की मृत्यु दिनांक - 27/01/2019 होली क्रॉस हॉस्पिटल, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 में आकस्मिक निधिन हो गया साथ ही वादी की भाभी जी मृतक स्व0 कुकुम परमार पति स्व0 वलमजी का भी दिनांक 18/11/2021 को आकस्मिक निधन होना बताते हुए स्व0 बलमजी परमार एवं स्व0 कुसुम परमार के मृत्यु उपरांत शाखा प्रबंधक सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, शाखा कायलय फाफाडीह, रायपुर,छ0ग0 बचत खाता क्र0 1261317037/- जिसमें जमा राशि 7,24,886/- (सात लाख चौबीस हजार आठ सौ छियासी रूपये) राशि को प्राप्त करने हेतु उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र की मांग की गई है। आम नागरिक को ईश्तहार के द्वारा सूचित किया जाता है कि सुनवाई तिथि दिनांक- 28/03/2025 को नियत है।

अतः इश्तेहार के माध्यम से सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि स्व0 वलमजी परमार एवं स्व0 कुसुम परमार के मृत्यु उपरांत शाखा प्रबंधक सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, शाखा कार्यालय फाफाडीह, रायपुर,छ0ग0 जमा राशि को प्राप्त करने हेतु उत्तराधिकार किसी व्यक्ति या नागरिक को हो तो वह पेशी तिथि 28/03/2025 तक अपनी आपत्ति कर सकते हैं। पेशी दिनांक के पश्चात प्रस्तुत आपत्ति अमान्य होगी और आवेदिका को उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्रदान कर दिया जायेगा, यदि किसी कारण वश उस तिथि को सार्वजनिक अवकाश हो जाता है तो आगामी कार्य दिवस पर प्रकरण की सुनवाई होगी।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से आज दिनांक 18/02/2025 को जारी यिका गया।

सील

(सुमित कुमार हर्षयाना)
न्या0 प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-01
सरगुजा, अम्बिकापुर,छ0ग0

**प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-01 अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ.ग. उ.प्र.क्र.**

उ0प्र0क्र0- 05/25
प्रो0नं0 - 128/2

हिमती यादव पिता नन्दूलाल, माता स्व0 यशोदा, उम्र लगभग 35 वर्ष,निवासी ग्राम- सरगंवा (पण्डोपारा) थाना-गांधीनगर, तहसील-अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0
......आवेदिक प्रति

**:-प्रतिः-**

04. राजाराम आ0 नन्दूलाल माता यशोदा, उम्र लगभग 40 वर्ष, निवासी ग्राम सरगंवा (पण्डोपारा) थाना-गांधीनगर, तहसील-अम्बिकापुर, जिला सरगुजा,छ0ग0
05, शाखा प्रबंधक ग्रामीण बैंक गोधनपुर प्रतापपुर रोड,अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,छ.ग
'...अनावेदकगण

**आवेदन अन्तर्गत धारा 372**
**भारतीय उत्तराधिकारी अधिनियम ।**

सर्व साधारण आम जनता निवासी ग्राम-सरगंवा,(पण्डोपारा) थाना- गांधीनगर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा,छ0ग0 एवं आम नागरिकों को सूचित किया जाता है कि आवेदिका द्वारा भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 372 का वाद पुस्तुत कर अपनी माता एवं यशोदा की मृत्यु दिनांक - 09/01/2025 को हो गई है। स्व0 यशोदा के मृत्यु उपरांत शाखा प्रबंधक ग्रामीण बैंक गोधनपुर प्रतापपुर रोड, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ0ग0 बचत खाता क्रमांक - 77085447562 में मेरे नाना श्री पैतृक संपत्ति का बेचकर मेरे हिस्से की राशि 12,51,000/- रूपये जमा तथा राशि को प्राप्त करने हेतु उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की मांग की गई। आम नागरिक को ईश्तेहार के द्वारा सूचित किया जाता है कि सुनवाई तिथि दिनांक 22/03/2025 को नियत है।

अतः इस इश्तेहार के माध्यम से सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि स्व0 यशोदा के मृत्यु उपरांत शाखा प्रबंधक ग्रामीण बैंक गोधनपुर प्रतापपुर रोड अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ0ग0 में जमा राशि को प्राप्त करने हेतु उत्तराधिकार किसी व्यक्ति या नागरिक को हो तो वह पेशी तिथि 22/03/2025 तक अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। पेशी दिनांक के पश्चात प्रस्तुत आपत्ति अमान्य होगी और आवेदिका को उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्रदान कर दिया जायेगा, यदि किसी कारण वश उस तिथि को सार्वजनिक अवकाश हो जाता है तो आगामी कार्य दिवस पर प्रकरण की सुनवाई होगी।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से आज दिनांक 21/02/2025 को जारी किया गया।

सील

(सुमित कुमार हर्षयाना)
न्या0 प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ
श्रेणी अम्बिकापुर सरगुजा, ,छ0ग0

# क्या वर्तमान विधायक को भी जनपद क्षेत्र क्रमांक 11 के जीते हुए प्रत्याशी ने दिया धोखा...जिससे अंजान हैं वह?

**जनपद क्षेत्र क्रमांक 11 में जिस प्रत्याशी को जीत मिली है...क्या वह जीत लोकतंत्र की नहीं धोखे की जीत है?**

**जब जब इस प्रत्याशी को वर्तमान विधायकों को छलने का मौका मिला,सभी को इसने छला...**

**वर्तमान विधायक की बेटी को जिताने का जिम्मा लेने वाले प्रत्याशी अपने क्षेत्र में उतना मत नहीं दिला पाए...जिसकी उम्मीद की थी विधायक की बेटी ने...**

**वर्तमान विधायक व एक भाजपा नेता के बीच संबंधों को खराब करने भी जीते हुए प्रत्याशी के पति ने खूब की कोशिश...वर्तमान विधायक के भरे कान...कहा चौक पर कर रहा था गाली-गलौज**

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,26 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव संपन्न हो गया है पर चुनाव की समीक्षा के बीच कई चीज चौंकाने वाली सामने आ रही हैं, इस समय यदि कोई सबसे चर्चा में है तो वह है जनपद क्षेत्र क्रमांक 11,यहां पर जिस प्रत्याशी ने जीत दर्ज की है इस प्रत्याशी व वर्तमान विधायक के बीच एक समझौते की बात आम हो गई है। ऐसा चर्चा में है की वर्तमान विधायक ने अपनी बेटी को जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 5 से जीत दिलाने के लिए जनपद क्षेत्र क्रमांक 11 के प्रत्याशी के पति साथ एक समझौता किया था, की मैं तुम्हें जिताऊंगा तुम मेरी बेटी को ज़ीत दिलाओ। पर यह समझौता कितना कारगर था यह तो परिणाम आने के बाद समझ में आ गया है, यदि यह बात समझौते की सही है तो वर्तमान विधायक ने तो अपना काम कर दिया और उस प्रत्याशी को जीत मिल गई पर यदि उस प्रत्याशी की बात करें जिसे जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 5 के प्रत्याशी को जीत दिलाना था क्या उसके लिए उसने काम किया? क्या उसे उतना वोट दिलाया जितना उसे चाहिए था? यदि आंकड़े की बात की जाए तो बिल्कुल भी नहीं, जिस क्षेत्र में जीतने के लिए वर्तमान विधायक ने उसकी मदद की उसे क्षेत्र से वर्तमान विधायक

### क्या अपने मतलब के लिए इस्तेमाल करते हैं यह सत्तापक्ष विधायक को?

पूर्व जनपद उपाध्यक्ष और उनके पति क्या सत्तापक्ष के विधायकों को समय समय पर अपने स्वार्थ पूर्ति के लिए इस्तेमाल करते हैं? वैसे उनकी कार्यप्रणाली देखकर ऐसा ही लगता है कि वह अपने स्वार्थ पूर्ति तक के लिए ही विधायकों के साथ रहते हैं, स्वार्थ पूर्ति उपरांत वह नया सहारा ढूंढते हैं।

की बेटी को वह वोट नहीं मिल सका, जिसकी वह उम्मीद लेकर बैठे थे। यदि वह वोट मिलता तो बहू की तरह बेटी भी अच्छे मतों से जीत दर्ज करती, जो नहीं हो सका, बेटी अपनी व अपने पिता की किस्मत से चुनाव जीत कर आई है। पर यदि इस सबके पीछे के समझौते की बात की जाए तो जनपद पंचायत क्षेत्र क्रमांक 11 के प्रत्याशी ने वर्तमान विधायक को भी धोखा दिया, यह कहना गलत नहीं होगा, शायद इस बातों से विधायक भी अनजान होंगे, क्योंकि काफी भोले हैं और सभी के बातों में आ जाते हैं। शायद इस बार भी वह बातों में आ गए और अपने भोलेपन में एक बार फिर ठगे गए। यह जो समझौता है यह चर्चा का विषय है इसकी पुष्टि दैनिक घटती घटना नहीं करता है।

### पूर्व विधायक को भी किया था इस्तेमाल, अब वर्तमान को भी नहीं छोड़ा जनपद क्षेत्र क्रमांक 11 के प्रत्याशी पति ने इस्तेमाल करने से

जनपद क्षेत्र क्रमांक 11 के प्रत्याशी कहें या उनके पति को कहें, वह विधायकों को इस्तेमाल करने में भी अव्वल रहे। उन्होंने पिछले चुनाव में पूर्व विधायक को इस्तेमाल किया था और तब वह कांग्रेस खेमे के प्रत्याशी थे, वहीं इस बार उन्होंने वर्तमान भाजपा विधायक को इस्तेमाल किया चुनाव में अपनी जीत के लिए। भाजपा विधायक भी पुत्री मोह में यह भूल गए या अपने भोलेपन में यह भूल गए कि यह उनके भी नहीं और किसी के नहीं, सत्ता का उपयोग ही इनकी राजनीति है। क्योंकि पिछले विधायक से अपना काम साध लेने के बाद इन्होंने विगत चुनाव में उन्हें धोखा भी दिया था।

### वर्तमान विधायक को भड़काने,झूठ बोलने से भी नहीं रहे पीछे एक जनपद सदस्य पद के प्रत्याशी के पति

जनपद क्षेत्र क्रमांक 11 के एक प्रत्याशी के पति ने विधायक को अन्य प्रत्याशियों के विरुद्ध भड़काने झूठ का भी सहारा लिया। उसने विधायक को भड़काने यह भी कहा कि एक प्रत्याशी उन्हें चौक में गाली दे रहा है, जबकि वह इसकी पुष्टि किए बिना ऐसा कहता रहा। कुल मिलाकर अपना स्वार्थ पूरा करने प्रत्याशी पति ने हर हथकंडा अपनाया। बाद में जब वास्तविकता सामने आई तो जनपद सदस्य के प्रत्याशी ने अपने कर्मचारियों को डांट फटकार लगाई थी, जिसे तेल मिर्च लगाकर वर्तमान विधायक को गाली देने का आरोप लगाकर दूरी बढ़ाने का इस्तेमाल किया गया।

### पूर्व विधायक भी हो चुकी हैं इस्तेमाल... फिलहाल नहीं बनती आपस में दोनों की...

पूर्व विधायक पूर्व जनपद उपाध्यक्ष सहित उनके पति से इस्तेमाल हो चुकी हैं, राजनीतिक महत्वाकांक्षा पूर्ति के लिए । आजकल या कहें विधायक रहते ही उनसे पूर्व जनपद उपाध्यक्ष व उनके पति दूर हो चुके थे। पूर्व विधायक ने पहले उन्हें और उनके पति को अपना सबसे करीबी बनाया था लेकिन जब उन्हें स्वार्थ का मामला समझ में आया उन्होंने खुद से पूर्व जनपद उपाध्यक्ष को जो तब उपाध्यक्ष थीं को अपने से दूर कर दिया था।

## आशा महेश साहू के समर्थक विधायक की बेटी का नहीं उसके सामने के प्रतिद्वंद्वी का कर रहे थे प्रचार

वर्तमान विधायक शायद इस बात से भी अनजान होंगे कि उनकी बेटी के खिलाफ आशा महेश साहू के समर्थक चुनाव के प्रारंभ से ही प्रचार कर रहे थे, जो के चुनाव समाप्ति तक जारी रहा। सोशल मीडिया में सरेआम लिख रहे थे और उनकी बेटी के प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार हो रहा था और वोट मांगा जा रहा था,परिणाम आने पर यह भी देखने को मिल रहा है कि जो बढ़त मिलनी चाहिए थी वह मिल नहीं पाई। अब ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब आशा महेश साहू के समर्थक ही विधायक की बेटी के खिलाफ प्रचार कर रहे थे,तो फिर वर्तमान विधायक कैसे इस बात को लेकर आश्वस्त थे कि आशा महेश साहू अपने क्षेत्र से उनकी बेटी को सबसे ज्यादा मत दिलाएंगे। वह तो समय रहते हुए वर्तमान विधायक प्रतिनिधि ने हालात को अनुकूल न जानकर मोर्चा संभाला,तब जाकर जनपद उपाध्यक्ष आशा साहू के क्षेत्र में, जहां उनका प्रभाव है, वहां से थोड़ी बहुत बढ़त जिला पंचायत के प्रत्याशी गीता राजवाड़े को प्राप्त हो पाई। तथाकथित सौदे के भरोसे बैठे रहने से लुटिया डूबनी तय थी।

# आखिर कब तक लकड़ी माफिया अपनी बिना नंबर प्लेट के ट्रैक्टरों से सूरजपुर की हरियाली को नेस्तनाबूद करने हरे वृक्षों का अवैध परिवहन करते रहेंगे?

**सूरजपुर वन विभाग के दो वनपाल के नाम क्यों है चर्चा में...क्या उच्च अधिकारी इन पर लेगे संज्ञान?**

**जिला प्रशासन व राजस्व अमला बना मूकदर्शक**

**कार्रवाई न होने से प्रशासन पर उठ रहे सवाल**

-शमरोज खान -
सूरजपुर,26 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

जिले में इन दिनों बाहरी राज्य उत्तर प्रदेश, बिहार से पहुंचे लकड़ी तस्करों का एक बड़ा गिरोह सक्रिय है, जो बड़ी संख्या में यूके लिप्टस की आड़ में नीम,आम,बबूल,सेमर सहित अन्य पेड़ों की अंधाधुंध कटाई कर रहे हैं। बावजूद इसके जिला प्रशासन व राजस्व अमला आंखें मूंदकर हाथ पर हाथ धरे बैठा हुआ है और इन तस्करों के सामने मूकदर्शक बना हुआ है। जिससे राजस्व अमले के अधिकारी-कर्मचारियों के उपर तस्करों के साथ सांठगांठ कर पेड़ों की अवैध कटाई कराने के भी आरोप लग रहे हैं। उल्लेखनीय है कि एक ओर सरकार एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत ज्यादा से ज्यादा संख्या में पौधरोपण के लिए लोगों प्रेरित कर रही है। वहीं दूसरी ओर सूरजपुर जिला में बाहरी राज्यों के तस्करों के द्वारा बड़े पैमाने पर पेड़ों की अवैध कटाई प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। जिले में तस्कर इस कदर हावी हैं कि दिन दहाड़े सड़कों पर बिना नम्बर प्लेट की ओव्हरलोड ट्रैक्टर वाहनें धड़ल्ले से दौड़ रही हैं। जिला मुख्यालय से लगे ग्राम पंचायत परीं, पीढ़ा, पसला सहित अन्य स्थानों में बकायदा डीपो बनाकर लकड़ी का भंडारण किया जा रहा है। जहां कईयो टन अवैध यूके लिप्टस सहित आम, नीम, सेमर से वृक्ष काटकर रखे हुए हैं और यही से बड़े-बड़े ट्रकों में लोड कर रात के अंधेरे में या तड़के दीगर राज्यों में सप्लाई की जाती है। इस मामले में नागरिकों का कहना है कि इतने बड़े पैमाने पर कार्य हो रहा है, इसके बाद भी प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं है। इसका सीधा मतलब है कि प्रशासन इन तस्करों के आगे नतमस्तक हो गया है और इनकों नियम व कानून की धज्जियां उड़ाने की खुली छुट दे रखी है। विश्वसीन सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस गोरख धंधा में कई तथाकथित छुटभैया नेताओं की भी संलिप्तता है। इन तस्करों को अगर जिले में कहीं कोई जनप्रतिनिधि या अधिकारी कर्मचारी रोककर पूछताछ करते हैं तो ये बकायदा इन नेताओं से टेलीफोनिक चर्चा भी करवा देते हैं। नागरिकों ने इस दिशा में प्रशासन से सख्त कदम उठाते हुए तस्करों द्वारा बनाए गए अवैध डीपो में छापेमार कार्रवाई करते हुए सील करने व तस्करों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करने की मांग की है।

### भंडारण करने जगह-जगह बनाया अवैध डीपो

जिले के अलग-अलग गांवों से निलगिरी सहित अन्य पेड़ों को काटने के बाद लकड़ी को भंडारित करने के लिए तस्करों द्वारा बकायदा किराये की भूमि लेकर परीं सहित अन्य स्थानों पर अवैध डीपो का निर्माण किया गया है। पहले ये पेड़ों को काटकर ट्रैक्टर के माध्यम से भंडारित स्थल पर लेकर पहुंचते हैं और यहां से बड़े-बड़े ट्रकों के माध्यम से बाहरी राज्यों में सप्लाई करते हैं। यहां 24 घण्टे ट्रैक्टर सहित बड़े वाहनों की आमद बनी रहती है, जिससे दुर्घटनाओं का भी खतरा बना हुआ है। अब यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि तस्करों द्वारा इस तरह से डीपो या ठीहा बनाने के क्या नियम हैं।

### अवैध कटाई व भंडारण पर कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश

अवैध भंडारण व कटाई के मामले को लेकर वनपरिक्षेत्राधिकारी उमेश वस्त्रकार ने कहा कि इस संबंध में अनुविभागिय अधिकारी व एसडीओ द्वारा बैठक लेकर कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। अब पेड़ों की कटाई के लिए बकायदा एसडीएम कार्यालय से अनुमति लेनी होगी, सरपंच के अनुमति के आधार पर पेड़ नहीं कटाई की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा कि अवैध रूप से बनाए गए डीपो में भी कार्रवाई की जाएगी। बीती रात एक ट्रक व ट्रैक्टर की जब्ती की गई है। अब अवैध कटाई व तस्करी के मामलों में लगातार कार्रवाई की जाएगी।

### बगैर मुसाफिरी निवास कर रहे बाहरी लोग

जिला मुख्यालय सूरजपुर से महज कुछ दूरी पर ग्राम पंचायत परीं व तिलसिवा में दीगर राज्य उत्तर प्रदेश,बिहार से पहुंचे लकड़ी तस्करों का कई गिरोह बड़ी संख्या में पिछले कुछ महीनों से निवास कर रहे है। इसके साथ ही जिले के अन्य स्थानों पर भी कमरा किराए पर ले ये लोग निवास करते हुए लकड़ी का कारोबार कर रहे हैं। न तो थाने में इनकी मुसाफिरी दर्ज है और न ही जहां किराये के मकान में निवास करते हैं,उनके द्वारा भी कोई दस्तावेज संधारित नहीं किया गया है। इस दिशा में पुलिस प्रशासन की भूमिका पर भी प्रश्न चिन्ह लग रहे हैं कि आखिर पुलिस ऐसे लोगों की जांच पड़ताल क्यों नहीं करती है। नागरिकों ने ऐसे लोगों की जांच पड़ताल कर उनके विरूद्ध कार्रवाई की आवश्यकता जताई है।

# थाना परिसर में मारपीट का मामला पूर्व मुख्यमंत्री के सोशल मिडिया पोस्ट के बाद एफआईआर में हुआ तब्दील

## स्वास्थ्य मंत्री के भांजे समेत 4 के खिलाफ अपराध दर्ज

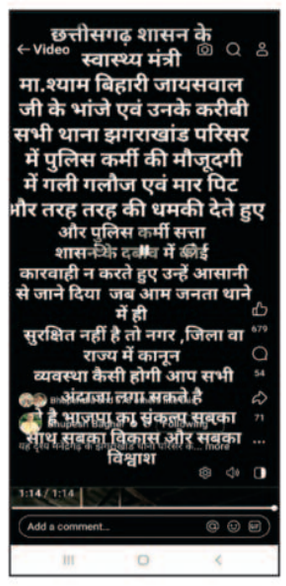


### पुलिस ने काउंटर केस किया दर्ज

मामले में उमेश जायसवाल पिता गिरजा प्रसाद जायसवाल निवासी वार्ड नंबर 12 झगराखांड निवासी ने काउंटर रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिसमें बताया कि 23 फरवरी को मैं वार्ड नंबर-7 में बर्थडे पार्टी में गया था। वहां सूचना मिली कि वार्ड नंबर 12 में कैरम खेल रहे कुछ लडके मोहल्ले वालों से गाली-गलौज कर रहे हैं।

### यह है मामला

जब वह घटना स्थल पहुंचा तो पता चला दोनों पक्षों के लोग थाना गए हैं। जब थाना पहुंचा तो दोनों पक्षों को समझाया। इतने में मो. इंसाफ उर्फ बिल्लू गाली-गलौज करने लगा। उसके साथी असलम, शमी, अमीन कहने लगे कि तुम बड़े नेता बनते हो, तुमको देख लेंगे। इसके बाद वे धक्का-मुक्की करने लगे, इससे वह जमीन में गिर गया था। इस मामले में आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने धारा 296, 3(5), 351(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

-संवाददाता-
एमसीबी,26 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

एमसीबी जिले के झगराखांड़ थाना परिसर में पुलिसकर्मियों के सामने 4 लोगों ने मिलकर एक व्यक्ति की पिटाई की थी जिसका वीडियो बना लिया गया था कुछ लोगों द्वारा और यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था वहीं मामले में पुलिस मारपीट करने वालों पर कार्यवाही नहीं कर रही थी इसबात का भी माखौल उड़ाया जा रहा था, कुछ लोगों ने स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे की गुंडागर्दी बताई और वहीं इसके कुछ समय बाद छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी सोशल मिडिया पर वीडियो डालकर पोस्ट किया और कानून व्यवस्था पर सवाल किया इसके बाद इस मामले में एफआईआर दर्ज हुई। एमसीबी जिले के झगराखांड़ थाना परिसर में पुलिस कर्मियों के सामने एक व्यक्ति की पिटाई की गई थी। इस मामले में पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने जांच पश्चात मारपीट करने वाले स्वास्थ्य मंत्री के भांजे व करीबी समेत 4 आरोपियों के खिलाफ

अपराध दर्ज कर लिया है। वहीं स्वास्थ्य मंत्री के रिश्तेदार की रिपोर्ट पर पुलिस ने काउंटर अपराध दर्ज करते हुए सियासी भूचाल को भी शांत करने का प्रयास किया है।

इस संबंध में पुलिस ने बताया कि झगराखांड के वार्ड नंबर 12 निवासी मोहम्मद इंसाफ उर्फ बिल्लू पिता अब्दुल रज्जाक ने थाने में मारपीट की शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें उसने बताया कि 23 फरवरी को आरोपी उमेश जायसवाल, प्रदीप जायसवाल, अनिल सिंह व देवनारायण निवासी झगराखांड ने पुलिस कर्मियों के सामने उससे मारपीट की है। मामले में एएसआई अशोक कुमार साहू से जांच कराई गई। जांच में घटना स्थल में मौजूद व्यक्ति व थाना स्टाफ मो. अमीन पिता मो. अहसान, फैजानुल हक पिता मो. जमीर, मो लियाकत पिता मिर्जाफर अली, सैय्यद अमन अली पिता लियाकल अली, असलम अली पिता वाहिद अली, जलालुद्दीन खान पिता हमीद खान का बयान लिया गया। इसके बाद आरोपियों के विरूद्ध धारा 296, 115(2), 351(2), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि 2 आरोपियों में एक स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का भांजा और दूसरा उनका करीबी है।

CMYK

## संक्षिप्त खेल खबर

### विदर्भ के करुण नायर ने 8000 प्रथम श्रेणी रन पूरे किए

**नागपुर,26 फरवरी 2025।** भारत और विदर्भ के बल्लेबाज करुण नायर ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 8,000 रन बनाने की बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने बुधवार को जामथा के वीसीए स्टेडियम में केरल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी फाइनल के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। अपने 114वें प्रथम श्रेणी मैच में, नायर 13वें ओवर में पांचवें नंबर पर आए, जब केरल ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला करते हुए मेजबान टीम का स्कोर तीन विकेट पर 24 रन कर दिया और 10 रन बनाकर यह उपलब्धि हासिल की। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज ने हैदराबाद के खिलाफ विदर्भ के आखिरी लीग मैच में शतक जड़ा और इसके बाद तमिलनाडु पर क्वार्टर फाइनल में जीत के साथ अपना 22वां प्रथम श्रेणी शतक बनाया। वह विदर्भ के शीर्ष रन बनाने वालों में तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने तीन शतक और एक अर्धशतक सहित 673* रन बनाए हैं।

### गुरकीरत के अर्धशतक की बदौलत इंडिया मास्टर्स ने 9 विकेट से जीत दर्ज की

**नवी मुंबई,26 फरवरी 2025।** गुरकीरत सिंह मान के नाबाद अर्धशतक की बदौलत इंडिया मास्टर्स ने मंगलवार रात को यहां इंटरनेशनल मास्टर्स लीग 2025 में एक और रोमांचक मैच में इंग्लैंड मास्टर्स को नौ विकेट से हरा दिया। इस मुकाबले में कौशल, रणनीति और क्रिकेट की यादों की जंग देखने को मिली, जब बीते जमाने के क्रिकेट सितारे यहां डीवाई पाटिल स्टेडियम में फ्लडलाइट्स के नीचे अहम मैच के लिए एकत्र हुए। 133 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम के लिए लिटिल मास्टर सचिन तेंदुलकर ने शानदार शुरुआत की। उन्होंने 21 गेंदों पर पांच चौके और एक छक्के की मदद से 34 रन बनाए। उन्होंने गुरकीरत के साथ सात ओवर में 75 रनों की ओपनिंग साझेदारी की। गुरकीरत भी उतने ही आक्रामक रहे और उन्होंने 35 गेंदों पर नाबाद 63 रन बनाए।

# चैंपियंस ट्रॉफी के बीच बदली आईसीसी रैंकिंग

» शुभमन गिल निकले बहुत आगे...

» विराट कोहली ने भी मारी छलांग...

**नई दिल्ली,26 फरवरी 2025।** चैंपियंस ट्रॉफी के बीच आईसीसी की ओर से नई रैंकिंग जारी कर दी गई है। लगातार वनडे मुकाबले होने की वजह से इस बार की रैंकिंग में काफी बदलाव देखने के लिए मिल रहा है। जहां एक ओर शुभमन गिल ने पाकिस्तान के बाबर आजम से अपनी लीड और भी ज्यादा बढ़ा ली है, वहीं विराट कोहली ने छलांग मारी है। पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने शानदार शतक लगाया था, इसका फायदा उन्हें मिलता हुआ नजर आ रहा है।

#### बाबर आजम से बहुत आगे निकले शुभमन गिल

आईसीसी की ओर से जारी की गई नई रैंकिंग में शुभमन गिल नंबर एक की कुर्सी पर कब्जा जमाए हुए हैं। इस बार उनकी रेटिंग बढ़कर 817 की हो गई है। हालांकि वे अभी तक अपनी ऑलटाइम हाई रेटिंग हासिल नहीं कर पाए हैं, जब साल 2023 में वे 847 तक की रेटिंग पर पहुंच गए थे। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम नंबर दो पर बने हुए हैं। उनकी रेटिंग 770 की है। यानी पहले और दूसरे नंबर के बीच रेटिंग का फासला काफी बढ़ गया है, जिसे पाट पाना अब बाबर आजम के लिए आसान नहीं होगा।

#### रोहित शर्मा आईसीसी वनडे रैंकिंग में तीसरे नंबर पर बरकरार

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा अभी भी तीसरे नंबर पर बरकरार हैं। उनकी रेटिंग 757 की है। हालांकि पिछली दो पारियों में उनके बल्ले से बहुत ज्यादा रन नहीं निकले हैं। साउथ अफ्रीका के धाकड़ बल्लेबाजों में से एक हेनरिक क्लासेन की बात की जाए तो वे 749 की रेटिंग के साथ नंबर 4 पर बने हुए हैं। इस बीच भारत के विराट कोहली ने एक स्थान की छलांग मारी है। वे अब 743 की रेटिंग के साथ नंबर 5 पर पहुंच गए हैं। विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में 111 बॉल पर 100 रनों की नाबाद पारी खेली थी। जिसका फायदा इस बार उन्हें मिलता हुआ दिख रहा है।

### डेरिल मिचेल को हुआ नुकसान

इस बीच न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल को एक स्थान का नुकसान हुआ है। वे अब 717 की रेटिंग के साथ नंबर 6 पर चले गए हैं। आयरलैंड के हैरी टैक्टर 713 की रेटिंग के साथ नंबर 7 पर अपनी जगह बनाए रखने में कामयाब रहे हैं। श्रीलंका के चरिथ असलंका की बात की जाए तो वे 694 की रेटिंग के साथ नंबर 8 पर हैं। भारत के श्रेयस अय्यर 679 की रेटिंग के साथ नंबर 9 पर हैं। वेस्टइंडीज के शे होप 672 की रेटिंग के साथ नंबर 10 पर हैं। हालांकि आयरलैंड, श्रीलंका और वेस्टइंडीज की टीमें चैंपियंस ट्रॉफी का हिस्सा नहीं हैं, फिर भी उनके खिलाड़ी टॉप 10 में बने हुए हैं, ये उनके लिए बड़ी बात है।

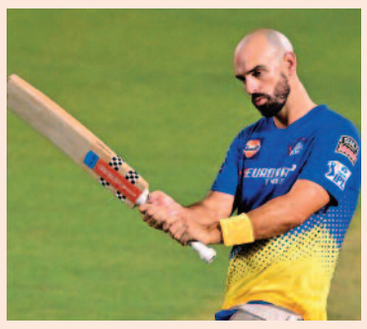

# पाकिस्तान पर मंडराया एक और खतरा

» अब घर पर ही नाक कटने का डर

**रावलपिंडी,26 फरवरी 2025।** पाकिस्तान क्रिकेट टीम अपने सबसे खराब दिनों में है। टीम ना तो अपने घर पर जीत पा रही है और ना ही घर से बाहर जीत दर्ज कर पा रही है। अपनी ही मेजबानी में खेली जा रही चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से टीम पहले ही राउंड से बाहर हो गई है। टीम का एक और मुकाबला बाकी है, लेकिन इस बीच टीम पर एक और खतरा मंडरा रहा है। टीम को डर सता रहा है कि कहीं रावलपिंडी में नाक ना कट जाए।

#### अभी तक नहीं खुला है पाकिस्तान की जीत का खाता

पाकिस्तानी टीम अभी तक चैंपियंस ट्रॉफी के इस सीजन में एक भी मैच नहीं जीत पाई है। पहले ही मैच में उसे न्यूजीलैंड ने पटकनी दी और इसके बाद भारत ने बुरी तरह से रौंद दिया।

इसके साथ ही उसका चैंपियंस ट्रॉफी जीतने का सपना भी चकनाचूर हो गया। हालांकि टीम का अभी एक मैच बाकी है। पाकिस्तान जैसी ही कुछ हालत बांग्लादेश की भी है। उसने भी कोई मैच नहीं जीता है। पहले बांग्लादेश को टीम इंडिया ने हराया और उसके बाद न्यूजीलैंड ने भी पीट दिया। यानी इन दोनों ही टीमों के शून्य अंक हैं। दोनों टीमों को अपनी पहली जीत की तलाश है।

#### पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच खेला जाएगा रावलपिंडी में मुकाबला

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच आखिरी लीग मैच 27 फरवरी को रावलपिंडी में खेला जाएगा। इस मैच में अगर बांग्लादेश की टीम जीत जाती है तो पाकिस्तान को खाली हाथ इस आईसीसी टूर्नामेंट से रुखसत होना होगा। जो बड़ी बेइज्जती का विषय है। पाकिस्तान टीम को न्यूजीलैंड ने उसके घर में हराया, वहीं टीम इंडिया ने दुबई में मात दी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2017 की विजेता टीम अगर खाली हाथ घर जाएगी तो इससे ज्यादा तौहीन की बात और कुछ नहीं हो सकती। वैसे तो ये मैच पाकिस्तान को जीतना चाहिए, क्योंकि टीम बांग्लादेश से तो भारी है, लेकिन क्रिकेट में कहा जाता है कि कभी भी कुछ भी हो सकता है तो बांग्लादेश पाकिस्तान को हरा भी सकता है।

#### पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश मुकाबले में आगे है पाकिस्तान

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच अब तक 39 वनडे मैच हुए हैं। इसमें अपरहैंड पाकिस्तान का ही है। पाकिस्तानी टीम ने इसमें से 34 मैच जीते हैं, वहीं 5 मैचों में बांग्लादेश की टीम भारी पड़ी है। हालांकि बांग्लादेश की टीम पाकिस्तान को उसके घर में अभी तक कभी नहीं हड़ुरा पाई है। बांग्लादेश ने जो 5 मैच जीते हैं, उसमें से तीन अपने घर पर जीते हैं और दो मैच न्यूट्रल वेन्यू पर जीतने में कामयाबी हासिल की है। अब पाकिस्तान के लिए अपने घर पर इज्जत बचाने के लिए मैदान में उतरना पड़ेगा। नहीं तो कहीं अगर गड़बड़ हुई तो फिर लेने के देने पड़ जाएंगे।

# अब होगी टीम इंडिया की असली परीक्षा

» 25 साल पुराना बदला लेने का मौका

**नई दिल्ली,26 फरवरी 2025।** रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम भले ही चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुकी हो, लेकिन उसकी असली परीक्षा अब होगी। उसका आखिरी लीग मैच बाकी है। इसके बाद सेमीफाइनल की बारी आएगी। टीम इंडिया के पास एक और आईसीसी खिताब जीतने का मौका है, लेकिन उसके लिए उसकी राह आसान नहीं होने वाली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पहली बार उसका पाला मजबूत टीम से पड़ने जा रहा है।

#### दो मार्च को होगा भारत बनाम न्यूजीलैंड मैच

टीम इंडिया ने चैंपियंस ट्रॉफी के पहले ही मुकाबले में बांग्लादेश को हराकर विजयी आगाज किया। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला हुआ, वहां भी टीम इंडिया ने पाकिस्तान को बुरी तरह से रौंद दिया। इसके साथ ही टीम इंडिया ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। अब भारतीय टीम अपने आखिरी लीग मैच के लिए 2 मार्च को उतरेगी, जब उसका मैच न्यूजीलैंड से खेला जाएगा। ये भारतीय टीम की पहली बड़ी परीक्षा होगी। भारत और पाकिस्तान के मुकाबले को भले ही बड़ा मैच माना जाता हो, लेकिन पिछले कुछ साल से पाकिस्तानी क्रिकेट टीम लगातार गर्त में जा रही है और कहीं से भी भारत को टक्कर नहीं दे पा रही है।

#### साल 2000 की चैंपियंस ट्रॉफी में टीम इंडिया को न्यूजीलैंड से मिली थी मात

भारत और न्यूजीलैंड से बीच दो मार्च को होने वाले मुकाबले के लिए दुबई में तैयारी जारी है। खास बात ये है कि ये वही न्यूजीलैंड की टीम है, जो हमेशा से भारत के लिए आईसीसी टूर्नामेंट में मुश्किल का सबब बनी है। चैंपियंस ट्रॉफी में अब तक भारत और न्यूजीलैंड के बीच केवल एक ही मैच खेला गया है। जब साल 2000 में दोनों टीमें आमने सामने आई थीं। तब टीम इंडिया को न्यूजीलैंड ने चार विकेट से हरा दिया था। तब से लेकर अब तक भारत और न्यूजीलैंड के बीच कोई मुकाबला चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं हुआ। अब भारत के पास मौका है कि 25 साल पुरानी हार का बदला लिया जाए। साथ ही अपने ग्रुप में टॉप बनकर सेमीफाइनल में एंट्री की जाए।

#### टीम इंडिया टॉप पर खत्म करना चाहेगी अपना अभियान

अगर टीम इंडिया अपने प में टॉप करता है तो फिर उसे ग्रुप की दूसरे नंबर की टीम से खेलना होगा। जो उसके लिए आसान हो सकता है। हालांकि ये चैंपियंस ट्रॉफी है, जहां एक भी मैच आसान नहीं होता, लेकिन फिर भी दूसरे नंबर की टीम नंबर एक की तुलना में आसान होती है। हालांकि न्यूजीलैंड से हार जीत का कोई भी असर भारतीय टीम पर नहीं पड़ेगा, लेकिन कोशिश यही होनी चाहिए कि जीत दर्ज कर बढ़े हुए मनोबल के साथ सेमीफाइनल में उतरा जाए। सेमीफाइनल और फाइनल की जंग जीतने के साथ ही टीम इंडिया एक और आईसीसी खिताब अपने नाम कर लेगी।

### इंग्लैंड का सेमीफाइनल में पहुंचना हुआ मुश्किल

**नई दिल्ली,26 फरवरी 2025।** चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के मुकाबले जैसे जैसे आगे बढ़ रहे हैं, रोमांच भी बढ़ता जा रहा है। इस बीच ग्रुप ए की तस्वीर तो साफ हो गई है। इस ग्रुप से भारत और न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। लेकिन ग्रुप बी का मामला फंसा हुआ है। इस बीच बारिश ने पूरे मामले को और भी उलझा दिया है। साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच मुकाबला बारिश के कारण रद हो गया, लेकिन इससे सबसे ज्यादा असर जिस टीम पर पड़ा है, वो इंग्लैंड है। अब टीम के सामने मुश्किल खड़ी हो गई है। हो सकता है कि इंग्लैंड की टीम अब सेमीफाइनल में भी अपनी जगह पक्की ना कर पाए।

#### इंग्लैंड को अफगानिस्तान और साउथ अफ्रीका से खेलने हैं अपने मैच

इंग्लैंड के साथ सबसे ज्यादा दिक्कत इस बात की है कि अगर आज खेला जाने वाला मुकाबला टीम जीत भी जाती है तो भी उसके दो ही अंक होंगे और टीम तीसरे ही नंबर पर रहेगी। इसके बाद उसे अपना आखिरी मैच साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेलना है, अगर ये मैच भी इंग्लैंड की टीम जीतती है तो ही उसके चार अंक होंगे। इसके बाद ही टीम टॉप 2 में अपनी जगह बना सकती है, लेकिन इसकी भी कोई गारंटी नहीं है। वहीं बात अगर ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका की करें तो उनके पास तीन तीन अंक पहले से ही हैं। ये दोनों टीमें अपना पहला मैच जीत गई थीं, इसके बाद मैच रद होने के कारण एक एक अंक और मिला और कुल अंक तीन हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया को अपना अगला मैच अफगानिस्तान से खेलना है। ये मैच अगर ऑस्ट्रेलियाई टीम जीत गई तो उसके कुल अंक 5 हो जाएंगे, जो सेमीफाइनल में जाने के लिए काफी होंगे। वहीं साउथ अफ्रीका को इंग्लैंड से भिड़ना है। इस तरह से देखें तो इंग्लैंड अगर आज का मैच जीत जाता है तो फिर यही मैच तय करेगा कि कौन सी टीम दो टीमें सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करेंगी।

# वेंकटेश अय्यर को मिल सकती है केकेआर की कमान

**नई दिल्ली,26 फरवरी 2025।** आईपीएल 2025 की तैयारी जोरों पर है। इस बार भी इस टूर्नामेंट में 10 टीमें हिस्सा लेती हुई नजर आएंगी। बीसीसीआई की ओर से अगले सीजन के इंडियन प्रीमियर लीग के शेड्यूल का ऐलान कर दिया है, लेकिन अभी भी दो टीमें ऐसी हैं, जिसके कप्तान को लेकर फैसला होना बाकी है। इसमें दिल्ली कैपिटल्स के अलावा केकेआर यानी कोलकाता नाइटराइडर्स की भी टीम शामिल है। इस बीच अब केकेआर के कप्तान को लेकर अपडेट सामने आया है। हो सकता है कि जल्द ही टीम के नए कप्तान का ऐलान कर दिया जाए। अब श्रेयस अय्यर पंजाब किंग्स में हैं और वे टीम के नए कप्तान बनाए गए हैं। लेकिन सवाल केकेआर को लेकर है। अभी तक चैंपियन टीम की कमान कौन संभालेगा, इस पर से पर्दा उठना बाकी है। अब खबर आई है कि वेंकटेश अय्यर केकेआर के अगले कप्तान हो सकते हैं। वेंकटेश अय्यर के लिए केकेआर ने 23.75 करोड़ रुपये की मोटी रकम खर्च की है। हालांकि केकेआर में अजिंक्य रहाणे भी हैं, जो कप्तानी के दावेदार हो सकते हैं, लेकिन ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसर फिलहाल वेंकटेश अय्यर कप्तानी की दावेदारी में आगे चल रहे हैं।

#### इस साल 22 मार्च से होगा आईपीएल का आगाज

इस बार आईपीएल का आगाज 22 मार्च से होने जा रहा है। जब कोलकाता नाइटराडर्स और आरसीबी यानी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीमें आमने सामने होंगी। ये मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डेंस में खेला जाएगा। वेंकटेश अय्यर के पास वैसे तो कप्तानी का ज्यादा अनुभव नहीं है, लेकिन फिर भी केकेआर की टीम उन पर दांव खेल सकती है। वे पिछले काफी वक्त से इसी टीम के साथ जुड़े हुए हैं। केकेआर के लिए वेंकटेश अय्यर के लिए प्रदर्शन की बात की जाए तो उन्होंने अब तक 51 मैच खेलकर 1326 रन बनाए हैं और उनका औसत भी काफी अच्छा रहा है। वेंकटेश अय्यर शुरू से ही केकेआर के लिए खेल रहे हैं, इसलिए वे टीम के लिए काफी भरोसेमंद भी हैं। आईपीएल 2025 के लिए केकेआर का स्क्वाडः रिंकू सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नरेन, आंद्रे रसेल, हर्षित राणा, रमनदीप सिंह, वेंकटेश अय्यर, क्विंटन डी कॉक, रहमानुल्लाह गुरबाज, एनरिक नोर्खिया, अंगकृष रघुवंशी, वैभव अरोड़ा, मयंक मारकंडे, रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, स्पेंसर जॉनसन, लवनिथ सिसौदिया, अजिंक्य रहाणे, अनुकूल रॉय, मोइन अली, उमरान मलिक।

# डॉन-3 में दिखेगी ये खूबसूरत हीरोइन?

#### बॉक्स ऑफिस पर बड़े धमाके के लिए तैयार हैं रणवीर सिंह

फरहान अख्तर के प्रोडक्शन तले बन रही फिल्म डॉन-3 की चर्चा लंबे समय से चल रही है। फिल्म के प्रोड्यूसर फरहान अख्तर ने अब इसको लेकर बड़ा खुलासा किया है। जिसमें उन्होंने बताया कि डॉन-3 का प्री-प्रोडक्शन इस साल शुरू हो जाएगा। साथ ही फिल्म में हीरोइन का भी खुलासा हो गया है। जिसमें बताया जा रहा है कि रणवीर सिंह के साथ फिल्म में बतौर हीरोइन कियारा आडवाणी नजर आने वाली हैं। डॉन-3 एक हिट फिल्म का सीक्वल रहने वाली है। इससे पहले इस फिल्म के 2 पार्ट सुपरहिट रहे हैं। इन दोनों पार्ट्स में शाहरुख खान ने लीड रोल निभाया था। अब डॉन-3 में रणवीर सिंह को कास्ट किया गया है। साथ ही कियारा आडवाणी भी नजर आने वाली हैं।

#### डॉन-3 पर जल्द शुरू होगा काम

फरहान अख्तर ने हाल ही में दिए साथ एक साक्षात्कार में बताया कि रणवीर सिंह स्टारर फिल्म डॉन 3 ट्रैक पर है। फिल्म के संबंध में सवालों से बचने की अटकलों को संबोधित करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया, मैं किसी भी सवाल से बच नहीं रहा हूं। डॉन 3 इस साल शुरू हो रही है और फिल्म 120 बहादुर साल के अंत में रिलीज होगी। बता दें कि इससे पहले इस बात की चर्चा थी कि डॉन-3 को बंद कर दिया गया है। लेकिन अब फरहान अख्तर के इंटरव्यू से खुलासा होता है कि इस फिल्म पर काम शुरू होने वाला है।

#### कियारा आडवाणी रहेंगी फिल्म की हीरोइन

रणवीर सिंह के साथ फिल्म में कियारा आडवाणी नजर आने वाली हैं। फिल्म की कहानी एक्शन से भरपूर होने वाली है। कुछ रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया था कि विक्रांत मेसी को भी इस फिल्म में कास्ट किया गया है। हालांकि इसको लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि फिल्म का निर्माण अगस्त-सितंबर 2024 में शुरू होने वाला था। लेकिन इसको लेकर देरी होने लगी। जिसके बाद अटकलें थीं कि इस फिल्म को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। हालांकि अब फरहान अख्तर ने इन अटकलों पर विराम लगा दिया है। फरहान का ध्यान अपने आने वाले प्रोडक्शन पर भी है। उनका वेब शो डब्बा कार्टेल और फिल्म सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव दोनों 28 फरवरी, 2025 को रिलीज के लिए तैयार हैं। जहां सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव सिनेमाघरों में रिलीज होगी वहीं शबाना आजमी अभिनीत डब्बा कार्टेल का प्रीमियर नेटफ्लिक्स पर होगा।

बॉलीवुड अदाकारा सुष्मिता सेन ने फिल्म इंड्रस्टी में अपना मुकाम बनाया है। एक्ट्रेस आज किसी पहचान की मोहताज नहीं है। सुष्मिता सेन की जिंदगी में प्यार की कोई कमी नहीं रही हैस हालांकि, फिर भी उन्होंने अपना घर नहीं बसा पाया। इस बीच एक्ट्रेस ने अपनी शादी के प्लांस के बारे में बात की है। हालिए में सुष्मिता सेन से एक फैन ने उनकी शादी के प्लान के बारे में पूछा। इस जवाब को लेकर उनके फैंस काफी खुश नजर आ रहे हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि शादी करने के लिए वो सही इंसान की तलाश कर रही हैं।

#### सुष्मिता सेन दूल्हा की तलाश कर रहीं

हालिए में एक्ट्रेस अपने इंस्टाग्राम पर फैंस से लाइव सेशन के दौरान बातचीत की। इस दौरान एक फैन ने उनसे शादी के प्लान के बारे में पूछा जिसे एक्ट्रेस नजरअंदाज नहीं कर पाई। फैन का सवाल का जवाब देते हुए एक्ट्रेस ने कहा, मैं भी शादी शादी करना चाहती हूं। मिलना चाहिए न कोई शादी करने लायक। ऐसे थोड़ी होती है शादी। कहते है न, बहुत रोमांटिक तरीके से तो दिल का रिश्ता होती है शादी। कहते है न, बहुत रोमांटिक तरीके से तो दिल का रिश्ता होता है, दिल तक बात तो पहुंचनी चाहिए न, शादी भी कर लेंगे।

# बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल से ब्रेकअप के बाद सुष्मिता सेन 49 की उम्र में ढूंढ रही दूल्हा

#### सुष्मिता ने दो बेटी को गोद ली है...

वैसे तो सुष्मिता सेन लाइमलाइट से दूर रहती हैं। बेहद ही कम उम्र में दो बेटियों की गोद लिया है। बेटियों की सारी जिम्मेदारियां एक्ट्रेस ने संभाली हैं। एक्ट्रेस का अफेयर कई सेलेब्स से जुड़ चुका है। इतना ही नहीं, ललित मोदी ने तो एक्ट्रेस के साथ फोटोज शेयर करके उन्हें अपनी होने वाली पत्नी तक बता दिया था। पहले एक्ट्रेस अपने बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल के साथ अक्सर नजर आती रहती है। लेकिन एक्ट्रेस ने रोहमन संग शादी के बारे में कुछ नहीं कहा।

#### सुष्मिता सेन की फिल्में

सुष्मिता की फिल्मी करियर के बारे में बात करें तो उनको वेब सीरीज आर्या को लेकर खूब तारीफें बटोरी हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस ट्रांसजेंडर गौरी सांवत की जिंदगी पर बनी फिल्म ताली में भी नजर आई है। जिसे लोगों ने काफी पसंद किया है।

CMYK

## प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

### महाशिवरात्रि पर शिवालयों में हर-हर महादेव की गूंज

**रायपुर,26 फरवरी 2025(ए)।** महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। घंटियों और शंख की ध्वनि के बीच बम बम भोले के जयकारे गूंज रहे हैं। सुबह से ही शिव भक्त मंदिरों में पहुंच रहे हैं। रायपुर के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए लंबी लाइनों में लगे हुए हैं। श्रद्धालु भांग,धतूरा,बेल पत्र, फल और पूजा सामग्री लेकर मंदिर पहुंच रहे हैं, जिससे पूरा वातावरण शिवमय हो गया है। जलाभिषेक के लिए पहुंचे भक्त नीलकंठ महादेव से अपने परिवार के लिए सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं।

### फूड लाइसेंस के नाम पर प्रशासन का हस्तक्षेप हुआ खत्म

#### पेट्रोल पंप संचालकों को मिली राहत

**रायपुर,26 फरवरी 2025(ए)।** पेट्रोल पंप संचालकों की बरसों पुरानी मांग पर राज्य शासन ने बड़ा फैसला किया है। अब पेट्रोल पंप के संचालन के लिए ना तो कलेक्टर के फूड लाइसेंस की और ना ही इसके रिनीवल की जरूरत होगी। राज्य सरकार ने इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी है। इसके बाद पेट्रोल पंपों पर कलेक्टर का सीधा हस्तक्षेप खत्म हो गया है।

### तीन निलंबित,कार्रवाई लिस्ट में शिक्षक आरआई और उप अभियंता के नाम

**दुर्ग,26 फरवरी 2025(ए)।** कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 20 क तथा सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियमों के विपरीत कार्य किए जाने पर तीन कर्मचारी क्रमशः श्री रामकुमार मर्सकोले शिक्षक जेआरडी आत्मानंद स्कूल दुर्ग, विनीत वर्मा सहायक राजस्व निरीक्षक नगर पालिक निगम दुर्ग और हरिशंकर साहू उप अभियंता नगर पालिक निगम दुर्ग को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। निलंबन अवधि में इन्हें नियमानुसार निर्वाह भत्ता पाने की पात्रता होगी। कलेक्टर के आदेशानुसार निलंबन पश्चात शिक्षक मर्सकोले का मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी दुर्ग, सहायक राजस्व निरीक्षक वर्मा का मुख्यालय नगर पालिक निगम रिसाली और उप अभियंता साहू का मुख्यालय नगर पालिक निगम रिसाली रहेगा। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

### तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर

**बालोद,26 फरवरी 2025(ए)।** बालोद के पूर्व भाजपा विधायक प्रीतम साहू को लेने एयरपोर्ट जा रही कार ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। जिससे दो युवक घायल हो गए। घटना बुधवार सुबह 8 बजे की है। लालपुर निवासी नरेंद्र साहू (19) और सूरज साहू (16) अपने बाइक से भूतेश्वर महादेव की दर्शन के लिए गरियाबंद जा रहे थे, वहीं दूसरी ओर से बालोद के पूर्व विधायक को लेने ड्राइवर और सुरक्षाकर्मी माना एयरपोर्ट जा रहे थे। इसी दौरान माना बस्ती से पहले सिग्नल के पास जबरदस्त टक्कर हो गई। इस घटना में दोनों युवकों के पैर फैक्चर हो गए तो वहीं कार भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घायल के परिजनों का कहना है कि कार इतनी स्पीड में था कि पीछे बैठा सूरज साहू उछलकर डिवाइडर के दूसरी ओर जा गिरा। जिसे आनन-फानन में पचपेड़ी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची माना पुलिस ने कार और बाइक को जब्त कर लिया है।

# आर्य समाज के नाम पर दो दर्जन फर्जी संस्थान

#### » याचिका पर हाईकोर्ट ने पंजीयक और संस्थाओं से मांगा जवाब

**बिलासपुर,26 फरवरी 2025 (ए)।** छत्तीसगढ़ प्रांतीय आर्य प्रतिनिधि सभा ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर प्रदेश में आर्य समाज के नाम पर विवाह पंजीकरण कराने और अनुचित शुल्क वसूलने वाले कथित फर्जी संस्थानों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। हाई कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए राज्य के रजिस्ट्रार,फर्म एवं सोसायटी समेत करीब दो दर्जन संस्थानों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

#### आर्य समाज के सिद्धांतो का नहीं कर रहे पालन'

याचिकाकर्ता का आरोप है कि संबंधित अधिकारियों ने छत्तीसगढ़ सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1973 के नियमों का उल्लंघन करते हुए कई संस्थाओं का पंजीकरण किया है, जो आर्य समाज के वास्तविक सिद्धांतों का पालन किए बिना विवाह संपन्न करा रही हैं और अवैध रूप से धन अर्जित कर रही हैं।

संस्थानों का पंजीयन रद्द करने की मांग याचिकाकर्ता ने इन संस्थानों का पंजीयन रद्द करने की मांग की है। आर्य प्रतिनिधि सभा ने जानकारी दी है कि छत्तीसगढ़ में वर्तमान में 24 से अधिक संस्थाएं आर्य समाज के नाम पर विवाह एवं अन्य अनुष्ठान करा रही हैं,

**विवाह के लिए कुछ इस तरह का विज्ञापन चलाती हैं ये संस्थाएंइन संस्थाओं को जारी किया गया नोटिस**

**हाई कोर्ट ने जिन संस्थानों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है उनकी सूची**

- ओम कृष्णवंतो विश्वमार्यम आर्य समिति, टिकरापारा, रायपुर।
- सनातन धर्म आर्य सेवक मंडल, बसना, जिला महासमुंद।
- संयोग आर्य समाज राजिम, हनुमान मंदिर के पास, पीतलबंद रोड, आमापारा, राजिम, जिला गरियाबंद।
- आर्य क्षत्रिय तेलंग समाज, रायपुर।
- श्री साई राम आर्य समाज, रायपुर।
- आर्य समाज कांकेर, कांकेर
- आर्य समाज कल्याण एवं शिक्षण समिति, श्री रायंद स्वामी नागरीदास मंदिर, पुरानी बस्ती,रायपुर।
- महर्षि दयानंद आर्य सेवा संस्थान, ग्राम एवं पोस्ट सोंठी,जांजगीर-चांपा।
- आर्य समाज, छत्तीसगढ़ ओम मंदिर, कुकुरबेड़ा, आमानाका,रायपुर।
- छत्तीसगढ़ आर्य क्षत्रिय तेलंग समाज, श्याम टाकीज, रायपुर।
- आर्य सनातन समाज, खरखरा नाहर, आमापारा, वार्ड-13, बालोद।
- आर्य समाज मंदिर, गली नं. 28, पुरानी बस्ती, वार्ड-12, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग।
- ओम आर्य समाज, इंद्रप्रस्थ कॉलोनी, जिला रायपुर।
- श्री आर्य समाज, सिद्धार्थ चौक, टिकरापारा, जिला रायपुर।
- आर्य समाज संस्कार सेवा समिति, मगर पारा रोड, जिला बिलासपुर।
- आर्य समाज संस्कार सेवा केंद्र, तीसरी मंजिल,सुपर मार्केट, बिलासपुर।
- वैदिक आर्य समाज, रिंग रोड नं.1, संजय नगर, जिला रायपुर।
- आर्य समाज, वंडरलैंड वाटर पार्क, इंद्रप्रस्थ कॉलोनी, जिला रायपुर।
- आर्य समाज, वसुन्धरा नगर, बहतराई रोड सरकंडा, बिलासपुर।
- आर्य समाज रिसाली, रिसाली गांव, जय स्तंभ चौक, भिलाई, जिला दुर्ग।
- आर्य समाज, ओवरब्रिज के नीचे, बीआईटी रोड, रायपुर नाका, भिलाई।
- आर्य समाज, प्रेम नगर, सिकोला भाटा, जिला दुर्ग।
- आर्य समाज, 45- ए/1, नेहरू नगर (पश्चिम), भिलाई, जिला दुर्ग।
- आर्य सनातन समाज मंदिर, भिलाई

जबकि इन्हें इसके लिए कोई वैधानिक मान्यता प्राप्त नहीं है।

प्रदेश में 22 संस्थानों को पक्षकार बनाते हुए याचिका में उल्लेख किया गया है कि इनमें से 10 रायपुर, पांच दुर्ग और तीन बिलासपुर में संचालित हो रहे हैं। अदालत में आगे की सुनवाई के दौरान इन संस्थानों की वैधानिक स्थिति और उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की गहन जांच की जाएगी।

#### स्वामी दयानंद ने की थी आर्य समाज की स्थापना

आर्य प्रतिनिधि सभा ने याचिका में उल्लेख किया है कि स्वामी दयानंद सरस्वती ने 10 अप्रैल 1857 को आर्य समाज की स्थापना की थी। यह संगठन समाज सुधार और जनजागरण के लिए कार्य करता है। आर्य समाज तीन स्तरों पर संचालित होता है। केंद्रीय स्तर पर सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, प्रांतीय स्तर पर प्रांतीय आर्य प्रतिनिधि सभा तथा जिला स्तर पर संबद्ध आर्य समाज। छत्तीसगढ़ प्रांतीय आर्य प्रतिनिधि सभा राज्य में आर्य समाज मंदिरों की देखरेख और मान्यता प्रदान करने वाली पंजीकृत संस्था है।

# छत्तीसगढ़ आबकारी घोटाला में कसता जा रहा शिकंजा

#### आरोपी अनवर ढेबर और अनिल टुटेजा की 190 सीआरपीसी याचिका कोर्ट में स्वीकार,कारोबारियों को समन भी जारी

**रायपुर,26 फरवरी 2025(ए)।** छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित 2161 करोड़ रुपये के शराब घोटाला मामले में क्रूरूर कोर्ट ने आरोपी अनवर ढेबर की ओर से दाखिल 190 सीआरपीसी याचिका को स्वीकार कर लिया है। कोर्ट ने सुनवाई करते हुए शराब निर्माता तथा शराब कारोबार से जुड़े आठ कंपनियों के लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज करने का आदेश दिया है। संबंधित लोगों को समन जारी कर 28 फरवरी को कोर्ट में पेश होने कहा गया है। मामले की सुनवाई की विशेष अदालत में 10 मार्च को होगी। प्रवर्तन निदेशालय के वकील डॉ. सौरभ पाण्डेय के मुताबिक शराब घोटाला मामले में कोर्ट ने वेलकम डिस्टिलरीज, भाटिया वाइन मर्चेंट्स, सीजी डिस्टलरीज, एमएस नेक्स्ट जेन, दिशिता वेंचर्स, ओम साईं ब्रेवरेजेज, सिद्धार्थ सिंघानिया और एमएस टॉप सिक्योरिटीज को आरोपी बनाया है। ईडी ने जांच में दावा किया कि इन कंपनियों ने शराब कारोबार में अवैध तरीके से अर्जित धन को बेनामी लेन-देन और मनी लॉड्रिंग के माध्यम से व्हाइट करने की कोशिश की। ईडी के वकील के अनुसार विशेषकोर्ट ने धारा 90 सीआरपीसी के तहत संज्ञान लिया है। यह कानूनी प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इससे जांच और कार्रवाई कानून के दायरे में और प्रभावी ढंग से आगे बढ़ेगी। शराब घोटाला केस में छत्तीसगढ़ के पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को जनवरी में ईडी ने गिरफ्तार किया था।घोटाले की जांच को नई दिशा मिलेगीकानून के जानकारों की मानें तो शराब निर्माता कंपनियों को आरोपी बनाए जाने के बाद शराब घोटाले की जांच को नई दिशा मिलेगी। आरोपी बनाई गई शराब निर्माता कंपनियों से पूछताछ में घोटाला में किन- किन लोगों की भूमिका रही है। प्रवर्तन निदेशालय इसकी नए सिरे से एक बार फिर से पड़ताल कर सकती है। वित्तीय ऑडिट और क्रूरूर प्रावधानों के तहत संपत्तियों की कुर्की की प्रक्रिया तेज हो सकती है। संपत्ति की जांच भी होगी। जांच एजेंसियों के पास कई संदिग्ध बैंक लेन-देन और कंपनियों के बीच हुए वित्तीय लेन-देन से जुड़े ठोस सबूत हैं। घोटाले के आरोपी से जुड़ी मुश्किलें बढ़ेंगी।विशेष कोर्ट में 10 मार्च को होगी सुनवाई।

# पाई-पाई का हिसाब है:बैज

#### ईडी के समन के बाद भड़के पीसीसी चीफ

**रायपुर,26 फरवरी 2025 (ए)।** सुकमा और कोंटा के राजीव भवन निर्माण को लेकर ईडी के समन पर कांग्रेस पार्टी के नेताओं का पारा चढ़ा हुआ है. पीसीसी चीफ दीपक बैज ने ईडी की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए उल्टे भाजपा पर 15 साल की काली कमाई से कार्यालय के निर्माण का आरोप मढ़ा है. छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने मीडिया से चर्चा में ईडी से 200 करोड़ की लागत से बने बीजेपी कार्यालय का हिसाब लेने की कही बात है. उन्होंने कहा कि देश के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है. उन्होंने सेंट्रल एजेंसी पर भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया. बैज ने कहा कि विपक्ष में रहते हुए कार्यकर्ताओं के सहयोग और छेर-छेरा पुन्नी के दान से कांग्रेस भवन बना था. हमारे पास पाई-पाई का हिसाब है, उसकी जानकारी देंगे. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि क्या 5 स्टार होटल की तरह बने बीजेपी मुख्यालय के लिए ईडी बीजेपी से पूछताछ करेगी.

# गलत नीयत से स्पर्श करने वाले प्रधान पाठक और सहायक शिक्षक निलंबित

**बिलासपुर,26 फरवरी 2025 (ए)।** पॉक्सो के मामले में कठोर करवाई होने के बावजूद शिक्षक के पेशे से जुड़े कथित 'गुरुजनों' की हरकतें कम नहीं हो रही हैं। छत्तीसगढ़ में आये दिन ऐसे मामले सामने आ रहे हैं। बिलासपुर जिले में फिर एक बार ऐसे ही दो मामले सामनेआये हैं। यहां शिक्षा विभाग ने बैड टच के दोषी दो प्रधान पाठक और सहायक शिक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।इस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक, बिलासपुर जिले के तखतपुर के खुडियाडीह स्थित स्कूल में पदस्थ सहायक शिक्षक अशोक कुमार कुर्रे और बिल्हा के मंगला, पासीद स्कूल के प्रधान पाठक रामकिशोर निर्मलकर पर छात्राओं ने बैड टच का आरोप लगाया था। एक मामले की जांच विकासखंड शिक्षा अधिकारी बिल्हा द्वारा की गई, जिसमें आरोप सही पाए गए। जांच रिपोर्ट के आधार पर जिला शिक्षा अधिकारी ने रामकिशोर निर्मलकर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसी तरह विकासखंड तखतपुर के शासकीय प्राथमिक शाला खुड़ियाडीह के सहायक शिक्षक अशोक कुमार कुर्रे पर भी कक्षा 5वीं की छात्राओं के साथ अनुचित व्यवहार करने का आरोप लगा था। मामले की जांच विकासखंड शिक्षा अधिकारी, तखतपुर ने की, जिसमें आरोप सही पाए गए। जांच रिपोर्ट के आधार पर जिला शिक्षा अधिकारी ने अशोक कुमार कुर्रे को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

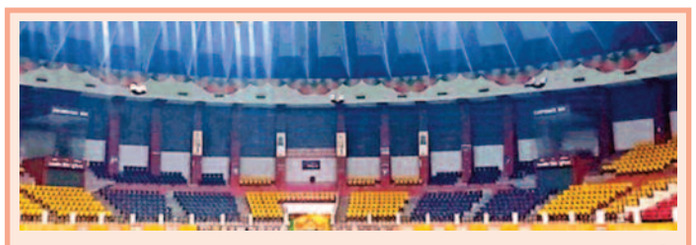

# मेयर मीनल चौबे समेत 70 वार्डों के पार्षदों का शपथ ग्रहण आज

#### सज-संवर रहा है भव्य मंच

**रायपुर,26 फरवरी 2025(ए)।** छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 27 फरवरी को नगर निगम के नवनिर्वाचित महापौर और पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। इनडोर स्टेडियम में दोपहर 3 बजे होने वाले इस समारोह में महापौर मीनल चौबे सहित 70 वार्डों के पार्षद पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे।इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके अलावा उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, प्रभारी मंत्री केदार कश्यप और सांसद बृजमोहन अग्रवाल भी समारोह में मौजूद रहेंगे।नगर निगम के शपथ ग्रहण समारोह में विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा सहित भाजपा संगठन के अन्य वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता भी भाग लेंगे। महापौर मीनल चौबे शपथ ग्रहण के बाद महापौर परिषद का गठन करेंगी। वहीं समारोह को भव्य बनाने के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। 15 वर्ष बार नगर निगम में भाजपा की सरकार आई है, जिसे लेकर शहरी जनप्रतिनिधियों ने आयोजन को भव्य और यादगार बनाने में पूरी ताकत झोंक दी है। समारोह को लेकर शहरभर में बैनर पोस्टर सज चुके हैं। साथ ही समारोह स्थल के चारों तरफ भी बड़ी-बड़ी होर्डिंग लगाई गई हैं।

# 3 करोड़ का अवैध ट्रांजेक्शन

#### » 97 लाख नकदी फ्रीज...
#### » 19 फॉड गिरफ्तार...

**बिलासपुर,26 फरवरी 2025 (ए)।** ऑनलाइन साइबर फ्रॉड के अवैध लेन-देन में इस्तेमाल किए गए फर्जी बैंक अकाउंट (म्यूल अकाउंट) धारकों के खिलाफ बिलासपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच में सामने आया कि इन म्यूल अकाउंट्स के जरिए करीब 3 करोड़ रुपये का अवैध ट्रांजेक्शन हुआ है। इस मामले में पुलिस ने एक पीओएस एजेंट (फर्जी सिम कार्ड बेचने वाला), कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस बैंक के कर्मचारियों सहित कुल 19 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही म्यूल अकाउंट फ्रॉड के करीब 97 लाख रुपये फ्रीज किया गया है। आरोपियों ने दिल्ली, अलवर (राजस्थान) समेत कई स्थानों पर करीब 300 से अधिक साइबर ठगों को म्यूल बैंक अकाउंट और फर्जी सिम कार्ड उपलब्ध करा रहे थे। बिलासपुर पुलिस की 10 टीमों ने 20 से अधिक स्थानों पर एक साथ छापा मारा और आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने साइबर क्राइम पोर्टल की रिपोर्ट, बैंक ट्रांजेक्शन, एक ही व्यक्ति के नाम पर कई बैंक अकाउंट, डिजिटल अरेस्ट, शेयर ट्रेडिंग फर्जी ऐप, क्रिप्टो करेंसी निवेश, गूगल रिव्यू टास्क, टेलीग्राम टास्क, बैंक केवाईसी अपडेट और गूगल सर्च से जुड़े तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच की. इसी दौरान इन फर्जी खातों और साइबर ठगी से जुड़ी जानकारी सामने आई. जिसके बाद रेंज साइबर थाना बिलासपुर, एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा विभिन्न थानों के 100 से अधिक पुलिसकर्मियों ने मिलकर यह कार्रवाई की.

# मनमाने ढंग से पैसे काटना बैंक को पड़ा भारी

#### उपभोक्ता आयोग ने ठोंका जुर्माना

**जगदलपुर,26फरवरी 2025 (ए)।** एक्सिस बैंक को मनमाने ढंग से खाते से पैसे काटना महंगा पड़ गया। जिला उपभोक्ता आयोग ने मंगलवार को एक प्रकरण में एक्सिस बैंक जगदलपुर को आवेदिका को उसके खाते से काटी गई लगभग 15 हज़ार रुपए की राशि वापस अदा किया जाने एवं मानसिक क्षतिपूर्ति के रूप में 10 हज़ार रुपए दिए जाने का आदेश पारित किया गया है।जिला उपभोक्ता आयोग की अध्यक्ष सुजाता जायसवाल और सदस्य आलोक कुमार दुबे की संयुक्त खंडपीठ द्वारा उक्त आदेश जारी किया गया है। इस मामले में आवेदिका की तरफ से पैरवी अधिवक्ता साकेत दुबे कर रहे थे।

# मकान मालिकों को अंतिम चेतावनी,नहीं तो होगी एफआईआर

**कोरबा,26 फरवरी 2025 (ए)।** बढ़ते अपराधों को रोकने के लिए पुलिस ने नया आदेश जारी किया है। मकान मालिकों को अब किरायेदारों की पूरी जानकारी पुलिस को देनी होगी। कोरबा सीएसपी भूषण एक्का के मुताबिक, औद्योगिक नगरी होने के कारण बाहर से आने वाले मजदूरों की संख्या अधिक है। मकान मालिकों को किरायेदारों का आधार कार्ड, पैन कार्ड, फोटो और स्थाई पता थाना में जमा करना होगा। इसके लिए एक विशेष प्रारूप तैयार किया गया है। पुलिस किसी भी समय, दिन या रात में, थाना क्षेत्र में पूछताछ कर सकती है। जांच में अगर किरायेदारों की जानकारी नहीं मिली तो मकान मालिक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

### पदोन्नति में आरक्षण नियम में हुआ बदलाव:अग्निहोत्री

**रायपुर,26 फरवरी 2025 (ए)।** छत्तीसगढ़ सर्वहित संघ के प्रदेश अध्यक्ष विवेक अवस्थी एवं महासचिव आशीष अग्निहोत्री ने प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि हाईकोर्ट ने छत्तीसगढ़ बनने के बाद मध्यप्रदेश में जारी 2003 का पदोन्नति में लागू आरक्षण नियम को अमान्य किया। उसके बाद प्रदेश शासन ने उक्त आदेश की व्याख्या की जिसकी वजह से कुछ गलतफहमियां पैदा हुई। उक्त मामले के परिप्रेक्ष्य में 04 फरवरी 2019 को याचिका क्रमांक 409/2013 और 471/2013 के छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर द्वारा दिए गए निर्णय में पदोन्नति नियम 2003 की धारा-05 को अपास्त किया गया। उक्त मामले में शासन द्वारा बनाए गए रोस्टर एवं वरिष्ठता सूची में हुई त्रुटियों के चलते संघ द्वारा उक्त प्रक्रिया को हाईकोर्ट में पुनः चुनौती दी गई जिस पर 16 अप्रैल 2024 को पूर्व दिए गए निर्णय की प्रक्रिया को निरस्त करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पावर कंपनियों को तीन माह के भीतर लंबित वरिष्ठता सूची को निर्धारित प्रक्रिया के तहत निपटारे का आदेश हाईकोर्ट के डबल बैच ने दिया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)